वर्ष : 17 ❖ अंक : 266 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
शुक्रवार, 05 मई 2023

आपातकाल के खिलाफ चट्टान की तरह खड़े थे प्रकाश सिंह बादल : अमित शाह 3

बेटी बचाओं का नारा सिर्फ ढोंग : राहुल गांधी 8

देश की ताकत उसके युवाओं में होती है : राज्यपाल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मई । नर बहादुर भण्डारी कॉलेज, तादोंग के सभागार में आज 1 सिक्किम (गर्ल्स) बटालियन, एवं 3 सिक्किम बटालियन, एनसीसी, द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत में ब्रिगेडियर जयदीप यादव द्वारा एनसीसी पर माननीय राज्यपाल को ब्रीफिंग दी।

राज्यपाल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस कार्यक्रम में भारत की युवा शक्ति के साथ उपस्थित होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है। देश की युवा शक्ति, भारत के भावी कर्णधार एक ऐसे संगठन का हिस्सा हैं, जिसकी देश को आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि देश की ताकत उसके युवाओं में होती है। देश की सुरक्षा और विकास के लिए हमारे युवा बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। आपके द्वारा ही औरों को नैतिकता, सामाजिक जिम्मेदारी, राष्ट्र भक्ति और अन्य मूल्यों की सीख मिलती है।

इस दौरान राज्य के एनसीसी में भाग लेने वाले बच्चों को राष्ट्रीय स्तर की परेड में भाग लेने और राज्य के लिए पदक लाने तथा उपस्थित अधिकारियों को एनसीसी को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की सराहना की। राज्यपाल ने सभी युवा शक्ति से अपने सपनों का पीछा करने और लक्ष्यों को हमेशा अपने सामने रखने पर जोर दिया। एनसीसी ने सदा ही हमारे युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य किया है जिसके द्वारा युवाओं में संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना उत्पन्न होती है। इससे उन्हें समाज के लिए जिम्मेदारी का एक भाव विकसित होता है।

राज्यपाल ने सिक्किम एनसीसी में बेटियों की सहभागिता पर खुशी जताते हुए कहा कि हमारे कैडेट्स विशेषकर हमारी बेटियों की भागीदारी देश के लिए एक बड़ा सम्मान है। उनकी सेवा देश के लिए अनमोल है। हमारी बेटियों में असीमित शक्ति होती है। यह एक बड़ा सराहनीय कदम है कि हमारी बेटियों देश को और सुरक्षित बनाने में सक्षम हैं। कार्यक्रम में ब्रिगेडियर जयदीप यादव, कर्नल शशांक केलकर, लेफ्टिनेंट कर्नल हेमंत बेलवाल, प्रिंसिपल एनबीबीसी डॉ डी पुरोहित, एसडीएम गंगटोक श्री सोनम भूटिया, भारतीय सेना बल, राज्य एनसीसी कैडेट और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सिक्किम के विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी की गई।

आपदा पर मॉक ड्रिल की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मई । गंगटोक और सिंगतम क्षेत्रों में भूकंप आपदा परिदृश्य तथा आगामी 12 मई को होने वाले भूकंप प्रेरित ग्लेशियर लेक आउटबर्स्ट फ्लड पर मॉक ड्रिल की तैयारी के लिए आज जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा डीसी सह डीडीएमए अध्यक्ष तुषार निखारे की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इसमें गंगटोक एसपी तेंजिंग लोडेन लेप्चा, एडीसी रोहन अगवाने, एडीसी विकास राधा प्रधान के अलावा एसडीएम, राज्य सरकारी विभागों के नोडल अधिकारी एवं राज्य पुलिस, सेना, अर्धसैनिक बलों, बिजली परियोजनाओं तथा संबंधित एजेंसियों के प्रतिनिधिगण शामिल हुए।

प्राख्रत जानकारी के अनुसार, बैठक में तैयारियों के स्तर, आपदा प्रतिक्रिया पद्धति का पालन सुनिश्चित करने की आवश्यकता, मेगा ड्रिल की तैयारी एवं संबंधित नोडल अधिकारियों की भूमिकाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान, डीसी सह डीडीएमए अध्यक्ष तुषार निखारे ने अभ्यास में शामिल सभी लोगों से मॉक ड्रिल में पूरी प्रतिबद्धता से भाग लेने का आग्रह किया जिससे कि वास्तविक आपदा के समय तैयारी के स्तर का पता लगाया जा सके। साथ ही उन्होंने कुशल टीम वर्क के साथ नोडल अधिकारियों एवं घटना के तुरंत बाद स्थापित किये जाने वाले कंट्रोल रूम के बीच समन्वय का आह्वान भी किया।

वहीं, इस अवसर पर अधिकारियों ने घटना प्रतिक्रिया के लिए आवश्यक संसाधन और सहायता प्राप्त करने पर भी चर्चा की। इसके अलावा, इसमें राहत शिविरों की स्थापना के साथ पानी, बिजली, भोजन एवं अन्य आपूर्ति के प्रावधान सहित आपदा के समय संबंधित विभागों के कर्तव्यों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर डीडीएमए प्रशिक्षण अधिकारी सुश्री विजयता खरेल ने मॉक ड्रिल के लिए आवश्यक विभिन्न पहलुओं और प्रत्येक विभाग या नोडल अधिकारी को सौंपी गई भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए इस मॉक ड्रिल के लिए निर्धारित स्थानों और वहां घटना प्रतिक्रिया दल की कार्यवाही के बारे में बताया।

वहीं डीडीएमए उप-निदेशक सोनम वांग्याल लेख्रचा ने मॉक ड्रिल की तैयारियों के विभिन्न पहलुओं पर अपना विचार रखा। इसके अलावा, एसपी तेनजिंग लोडेन लेप्चा ने भी बैठक में विशेष रूप से मॉक ड्रिल के समय निर्बाध संचार सुनिश्चित करने के संबंध में अपनी बात रखी।

राज्यपाल ने दी श्यादर पिदर की शुभकामनाएं

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मई । सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने 'श्यादार पिदर' के शुभ अवसर पर सिक्किमवासियों विशेषकर मुखिया समुदाय को शुभकामनाएं दी हैं।

राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने मुखिया समुदाय के पावन पर्व श्यादार पिदर की शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि श्यादार पिदर जिसे 'उभौली पूजा' के नाम से भी जाना जाता है,यह त्यौहार प्रकृति मां के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी को पुष्ट करता है।

राज्यपाल ने कहा कि मैं सिक्किम के लोगों से स्थानीय संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने का आग्रह करता हूं। यह अवसर हमारी समग्र संस्कृति को समृद्ध करें और सभी सिक्किम वासियों के बीच शांति, समृद्धि और सद्भाव स्थापित करें।

मॉल ड्रिल को लेकर घटना प्रतिक्रिया टीम की समन्वय बैठक सम्पन्न

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 04 मई । आगामी 12 मई को होने वाले राज्य स्तरीय मॉक ड्रिल को लेकर आज जिला प्रशासनिक केंद्र के सभागार में घटना प्रतिक्रिया टीम की समन्वय बैठक हुई। डीसी ताशी चोफेल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पाकिम एसपी; एसडीएम (मुख्यालय); पाकिम, रंगपो एवं रंगली एसडीएम; सीएमओ; डीसीएसओ; बीडीओ एवं डीपीओ के अलावा एनडीआरएफ, नागरिक सुरक्षा, एसएसबी, सड़क व पुल विभाग, बिजली, अग्निशमन सहित अन्य विभागों के प्रतिनिधि और उपस्थित थे।

इस अवसर पर डीसी ने आगामी राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास के बारे में जानकारी देते हुए जिले में रंगपो महकमा सहित चार घटना परिदृश्यों के आयोजन के बारे में बताया। उनके अनुसार, मॉक ड्रिल का उद्देश्य आईआर टीम के प्रतिक्रिया कौशल को बढ़ाते हुए किसी भी भावी संभावित आपदा के लिए जिले को तैयार करना है। साथ ही उन्होंने प्रेस को धन्यवाद देते हुए यह भी कहा कि इस अभ्यास का प्राथमिक उद्देश्य जिले की तैयारी और आपदा प्रतिक्रिया क्षमताओं में सुधार करना है।

वहीं बैठक के दौरान, एडीसी सुश्री अनूपा तामलिंग ने उपस्थित लोगों को आईआर टीम के तीन उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। इनमें जीवन बचाना, दृश्य पर नियंत्रण हासिल करना और संपत्ति को बचाना शामिल रहे। इसके अलावा, उन्होंने अभ्यास के लक्ष्यों, विभिन्न वर्गों की जिम्मेदारियों और आईआरएस की संगठनात्मक संरचना के माध्यम से अतिरिक्त समीक्षा की।

वहीं उन्होंने कुशल निकासी योजनाओं, संचार प्रोटोकॉल और प्रतिक्रिया विधियों के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

बड़ी संख्या में होगी समाज कल्याण निरीक्षकों की भर्ती : संजीत खरेल

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मई । राज्य महिला व बाल विकास मंत्रालय के तत्वावधान में आज विभागीय सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में मंत्री संजीत खरेल द्वारा चार जिलों के कुल 80 लाभार्थियों को अनुदान, चेक और सहायक उपकरण वितरित किए गए। इस दौरान मंत्री ने एनएसएपी एवं राज्य नवाचार योजनाओं के तहत विकलांग से विवाह करने वाले 50 और वृद्धावस्था पेंशन योजनाओं के 30 लाभार्थियों को यह अनुदान प्रदान किया। इसके अलावा, मंत्री ने विशेष रूप से सक्षम बच्चों के परिवहन हेतु तीन स्कूलों के लिए इको-वैन को हरी झंडी भी दिखाई।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री संजीत खरेल ने कार्यक्रम पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महिला व बाल विकास विभाग के अधिकारियों द्वारा आश्चर्यजनक गति से किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों पर विशेष ध्यान देने के साथ हर जिले में नागरिकों तक पहुंचने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार विकलांग व्यक्तियों को हर क्षेत्र में नौकरियों के संबंध में सभी सहायता प्रदान करेगी।

इसके अलावा, मंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए जिलों में बड़ी संख्या में समाज कल्याण निरीक्षकों की भर्ती के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कोई भी महिला, बच्चा और वरिष्ठ नागरिक पीछे न छूटे, इसके लिए जिलेवार योजनाओं को लागू किया जाएगा। साथ ही उन्होंने निकट भविष्य में सियारी के विशेष क्षमता वाले बच्चों के स्कूल को एक अनुकूल स्थान पर स्थानांतरित करने की बात कही।

वहीं महिला व बाल विकास सचिव श्रीमती गंगा प्रधान ने राज्य में विकलांगों की सहायता हेतु की जा विभिन्न पहलों की जानकारी देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में समाज कल्याण योजनाओं की घर-घर पहुंच के बारे में बताया। (शेष पृष्ठ ०३ पर)

सीएम ने दी श्यादर पिदर की शुभकामनाएं

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मई । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सिक्किम के लोगों विशेषकर सुनुवर समुदाय को श्यादर पिदर के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि श्यादर पिदर जैसे त्यौहार भाईचारे, सकारात्मकता और सद्भाव से जुड़े हैं जो हमारे समाज, संस्कृति और परंपरा का एक अभिन्न अंग हैं।

उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि इस तरह का शुभ अवसर सिक्किम के लोगों की प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी (शेष पृष्ठ ०३ पर)

देश के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चला रहा एनवाईटी : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) के अध्यक्ष एजी सुल्जबर्गर के हालिया बयान को लेकर फटकार लगाई है। गुरुवार को एनवाईटी की आलोचना करते हुए ठाकुर ने कहा कि वह भारत के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चला रहा है।

दरअसल, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर यूनेस्को के एक कार्यक्रम में न्यूयॉर्क टाइम्स (एनवाईटी) के अध्यक्ष एजी सुल्जबर्गर शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने भारत में पत्रकारों की स्थिति को लेकर विवादित टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भारत में केंद्रीय अधिकारियों ने समाचार कक्षों पर छापा मारा और पत्रकारों के साथ बुरा सलूक किया। उनके इसी बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री ने फटकार लगाई है।

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जोर देकर कहा कि भारत में कानून अपना काम करता है अगर कोई कुछ गलत करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होती है। यहां कोई भी मीडिया संगठन होने की स्थिति का हवाला देते हुए गैरकानूनी कामों से छूट नहीं ले सकता। केंद्रीय मंत्री ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि कोई भी जांच प्रेस पर हमले के बराबर कैसे हो जाती है। एनवाईटी पर भारत के खिलाफ दुष्प्रचार कैंपेन चला रहा है। केंद्रीय मंत्री ने आगे आरोप लगाया कि अपने इसी अभियान के तहत तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश के लिए उन्होंने यूनेस्को पोडियम का गलत इस्तेमाल किया।

अनुराग ठाकुर ने ट्वीट में लिखा कि भारत के वैश्विक उत्थान और उसके आर्थिक महाशक्ति में बदलने को पचाने में असमर्थ कुछ पुराने विश्व मीडिया घराने भारत के खिलाफ एक व्यवस्थित अभियान चला रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनके लिए यह अंतर करना मुश्किल हो गया है कि अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स है या न्यू डिस्टॉर्ट टाइम्स' है।

वसुंधरा ने झालावाड़ में थामी बजरंग बलि की गदा, कहा- 6 महीने की बात है, 2003 और 2013 जैसा विकास होगा

जयपुर, 04 मई (एजेन्सी)। वसुंधरा राजे ने बजरंगबली की कथा हाथ में लेकर बड़ा सियासी संदेश झालावाड़ से गुरुवार को दिया।

उन्होंने कहा कि न आज पर्याप्त बिजली है और न पर्याप्त पानी। लोगों को रोज़गार भी नहीं है। पेपर लीक से युवाओं का भविष्य अंधकार में हो गया है और ये सरकार आँख बंद कर सो रही है। राजे ने गुरूवार को झालावाड़ ज़िले के दौरे के दौरान ये बात कही। उनका भवानी मंडी, गुरारडिया जोगा, भैसानी, मिश्रोली, करावन, ठीकरिया, कुंड़ीखेड़ा और मोयाखेड़ा में जगह-जगह स्वागत हुआ।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा कि यदि उनकी सरकार को 5 साल और मिल जाते तो झालावाड़ सहित पूरे प्रदेश का सम्पूर्ण विकास हो जाता, लेकिन सिर्फ़ आधे प्रतिशत मतों से प्रदेशवासियों ने उन्हें राजस्थान की सेवा से वंचित कर दिया।हालाँकि पूर्ण बहुमत तो कांग्रेस की भी नहीं मिला। लेकिन जोड़-तोड़ और लेन-देन कर के उन्होंने सरकार बना ली। सरकार तो बन गई, पर उसे जनता से कोई वास्ता नहीं रहा। क़ानून व्यवस्था, बिजली और तमाम मूल भूत सुविधाएँ लापता हो गई।

पूर्व सीएम राजे ने कहा राहुल गांधी के वादों के मुताबिक़ न किसानों का क़र्ज़ा माफ़ हुआ और न ही खेतों के पास एग्रो प्रोसेसिंग युनिट लगे। न युवाओं को रोज़गार मिला। पूरा प्रदेश भ्रष्टाचार, अत्याचार, दुराचार, आतंकवाद और साम्प्रदायिक उन्माद की भेंट चढ़ गया।

एनसीपी के घटनाक्रम का एमवीए गठबंधन पर प्रभाव नहीं पड़ेगा : उद्धव ठाकरे

मुंबई, 04 मई (एजेन्सी)। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरूवार को विश्वास जताया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के अध्यक्ष शरद पवार के पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने के फैसले से महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पवार ऐसा कुछ नहीं करेंगे जिससे विपक्ष की एकता को नुकसान पहुंचे।

ठाकरे ने यह भी कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नहीं बल्कि तानाशाही के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा, राकांपा के घटनाक्रम का एमवीए गठबंधन पर प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हालांकि, ठाकरे ने पवार के पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने के फैसले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

शरद पवार (82) ने मंगलवार को मुंबई में अपनी आत्मकथा लोक माझे संगति के अद्यतन संस्करण के विमोचन कार्यक्रम में राकांपा प्रमुख के पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर सभी को चौंका दिया था।

उल्लेखनीय है कि एमवीए गठबंधन में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और राकांपा शामिल हैं।

उत्तराखंड धर्म, अध्यात्म, संस्कृति का केंद्र : सीएम धामी

देहरादून, 04 मई (एजेन्सी)। उत्तराखंड में लैंड जिहाद पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के तेवर बेहद सख्त हैं। उन्होंने कहा कि भूमि की खरीद-फरोख्त को लेकर प्रदेश सरकार एक मैनुअल तैयार करेगी। जो मैनुअल पर फिट बैठेगा, वही राज्य में जमीन खरीद पाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोग उत्तराखंड में बसने लगे हैं, जिनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बता दें कि बुधवार को प्रदेश मंत्रिमंडल की बैठक में सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और भूमि की खरीद-फरोख्त को लेकर भूमि संबंधी कानून में कड़े प्रावधान करने का फैसला लिया गया। सरकार अब जमीन की खरीद-फरोख्त से पहले खरीदने वाले की कुंडली खंगालेगी। इसके लिए सरकार एक अध्यादेश लाने जा रही है।

बृहस्पतिवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमि की खरीद फरोख्त के सरकार जो मैनुअल तैयार कर रही है, उसके अनुरूप जो पात्र होगा, उसे ही राज्य में जमीन खरीदने की इजाजत मिलेगी। इससे संदिग्ध, असामाजिक और अपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को उत्तराखंड में बसने से रोका जा सकेगा। यह पता लगाना जरूरी है कि उसकी पृष्ठभूमि क्या है? उसका ट्रैक रिकार्ड कैसा है?

सीएम ने कहा कि उत्तराखंड में ऐसे लोग बसने लगे हैं, जिनके बारे में कोई जानकारी नहीं है। इस कारण उत्तराखंड में कानून व्यवस्था की स्थिति व शांत वातावरण में बिखराव की आशंका बनी रहती है, उसे हमें ठीक करना है। उत्तराखंड धर्म, अध्यात्म, संस्कृति और देवों का केंद्र है। इसलिए यहां निकट भविष्य में जो भी जमीन खरीदेगा, उसकी पृष्ठभूमि से लेकर उसके बारे में सारी जानकारी प्राप्त की जाएगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मौसम की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा पर आएं।

उन्होंने कहा कि पिछले दिनों भारी बर्फबारी के कारण केदारनाथ की यात्रा बाधित हुई थी। इसके बावजूद श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ी है। बकौल धामी, मैंने बीच-बीच में यात्रियों से अपील की थी कि मौसम ठीक हो जाने के बाद ही वे यात्रा पर आएं। हम चाहते हैं कि उत्तराखंड चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

लेकिन अब मौसम ठीक हो रहा है। फिर भी मैं यह कहना चाहता हूं कि देश-विदेश से जो भी यात्री चारधाम यात्रा पर आ रहे हैं, वे मौसम की जानकारी पहले प्राप्त कर लें। उसके बाद यात्रा पर आएं।

हमारी बेटियों को इस तरह से अपमानित करना बेहद शर्मनाक, धरना दे रहे पहलवानों से हाथापाई पर बोलीं ममता बनर्जी

कोलकाता, 04 मई (एजेन्सी)। जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवानों और दिल्ली पुलिस के बीच हुई कथित हाथापाई को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत की बेटियों को इस तरह से अपमानित करना बेहद शर्मनाक है। ममता ने कहा कि देश पहलवानों के आंसुओं को देख रहा है और वह उनके साथ मारपीट करने वालों को माफ नहीं करेगा।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने ट्वीट किया, हमारी बेटियों को इस तरह से अपमानित करना बेहद शर्मनाक है। भारत अपनी बेटियों के साथ खड़ा है और मैं एक इनसान के तौर निश्चित रूप से अपने पहलवानों के साथ खड़ी हूं। उन्होंने आगे लिखा, कानून सबके लिए एक है। शासक का कानून इन आंदोलनकारियों की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचा सकता। आप उन पर हमला कर सकते हैं, लेकिन उनका हौसला नहीं तोड़ सकते।

ममता ने लिखा, लड़ाई जायज है और यह जारी रहेगी। हमारे पहलवानों को ठेस पहुंचाने की जुर्रत न करें, देश उनके आंसुओं को देख रहा है और वह आपको माफ नहीं करेगा। मैं हमारे पहलवानों से हिम्मत न हारने की अपील करती हूं। मेरी पूरी ताकत उनके साथ है।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर बुधवार देर रात पहलवानों और कुछ पुलिसकर्मियों के बीच हाथापाई हो गई। इस घटना में कुछ पहलवानों के सिर में चोट लगने की खबर है। पहलवानों का आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ मारपीट की। पहलवान यौन उत्पीड़न के आरोपों से घिरे भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं।

जंतर-मंतर पर धक्का-मुक्की पर बोली पुलिस- 5 जवान जख्मी है, हमनें कोई बल प्रयोग नहीं किया

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर देर रात पुलिस और कुछ पहलवानों के बीच हुई झड़प के दौरान वहां प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के खिलाफ बल प्रयोग या पुलिसकर्मियों के नशे में होने के आरोपों को गरूवार को खारिज किया है।

पुलिस उपायुक्त, नयी दिल्ली ने बताया कि बुधवार की रात हुई इस झड़प में पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं, पहलवानों का दावा है कि पुलिसकर्मियों ने उनकी पिटाई की है और कुछ लोगों को सिर में चोट आयी है।

डीसीपी ने अपने आधिकारिक हैंडल से ट्वीट किया है, रात के समय पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस अधिकारी मौके पर थीं। मेडिकल परीक्षण में कोई पुलिसकर्मी शराब के नशे में नहीं मिला है। झड़प के दौरान पांच पुलिसकर्मी घायल हुए हैं।

आज दिन में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, प्रदर्शनकारियों ने उन्हें बताया है कि घटना के वक्त पुलिसकर्मी नशे में थे। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, दो पहलवानों राहुल यादव और दुष्यंत फोगाट को घटना में चोट आयी है। पुरस्कार विजेता फोगाट को सिर में चोट आयी है।

डीसीपी ने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए दिल्ली में जगह-जगह अवरोधक लगाए गए हैं। पुलिस ने बुधवार की रात पहलवानों के प्रदर्शन में पहुंचे राज्यसभा सदस्य दीपेन्द्र हुड्डा और मालिवाल को हिरासत में लिया था। पहलवानों ने भारतीय कुश्ती फेडरेशन के प्रमुख और भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। ये लोग सिंह की गिरफ्तारी और उन्हें पद से हटाने की मांग को लेकर 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर बैठे हैं।

मणिपुर में हालात चिंताजनक, उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश

इंफाल, 04 मई (एजेन्सी)। मणिपुर में हिंसा को देखते हुए सरकार ने बड़ा आदेश जारी किया है। इसके मुताबिक, उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, मणिपुर सरकार ने गुरुवार को आदिवासियों और मेइती समुदाय के बीच बढ़ती हिंसा को रोकने के लिए अत्यधिक गंभीर मामलों में उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी किया है।

राज्यपाल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि जब समझाना-बुझाना, चेतावनी और उचित बल का प्रयोग की सीमा पार हो गई हो और स्थिति को नियंत्रित नहीं किया जा सके, तो देखते ही गोली मारने का सहारा लिया जा सकता है। अधिसूचना राज्य सरकार के आयुक्त (गृह) के हस्ताक्षर हैं। अधिसूचना आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 के प्रावधानों के तहत जारी की गई है।

नगा और कुकी आदिवासियों की ओर से आदिवासी एकजुटता मार्च निकालने के बाद बुधवार को हिंसा भड़क गई थी। हालात रात में और गंभीर हो गए थे। राज्य की 53 फीसदी आबादी वाले गैर-आदिवासी मेइती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) के दर्जे की मांग के खिलाफ चुराचांदपुर जिले के तोरबंग इलाके में ऑल ट्राइबल स्टूडेंट यूनियन मणिपुर (एटीएसयूएम) की ओर बुलाए गए आदिवासी एकजुटता मार्च के दौरान बुधवार को हिंसा भड़क गई। हिंसा के कारण 9,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं।

मार्च का आयोजन मणिपुर हाईकोर्ट की ओर से पिछले महीने राज्य सरकार को मेइती समुदाय द्वारा एसटी दर्जे की मांग पर चार सप्ताह के भीतर केंद्र को एक सिफारिश भेजने के लिए कहने के बाद किया गया। पुलिस ने बताया कि चुराचांदपुर जिले के तोरबंग क्षेत्र में मार्च के दौरान हथियार लिए हुए लोगों की एक भीड़ ने कथित तौर पर मेइती समुदाय के लोगों पर हमला किया। जवाबी कार्रवाई में भी हमले हुए। इस वजह से पूरे राज्य में हिंसा भड़क गई।

स्थिति को देखते हुए गैर-आदिवासी बहुल इंफाल पश्चिम, काकचिंग, थौबल, जिरिबाम और बिष्णुपुर जिलों और आदिवासी बहुल चुराचांदपुर, कांगपोकपी और तेंगनौपाल जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। राज्यभर में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को तत्काल प्रभाव से पांच दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया है, लेकिन ब्रॉडबैंड सेवाएं चालू है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह बातचीत की और वहां आदिवासी आंदोलन के दौरान भड़की हिंसा के बारे में जानकारी ली।

केंद्र सरकार मणिपुर के हालात पर करीब से नजर रख रही है। उसने पूर्वोत्तर राज्य के हिंसा प्रभावित इलाकों में तैनाती के लिए त्वरित कार्य बल (आरएएफ) के दल भेजे हैं। आरएएफ दंगे जैसे हालात को काबू में करने के लिए दक्ष बल है।

राज्यपाल के दौरे को लेकर जिलाधिकारी ने की समन्वय बैठक

अनुगामिनी नि.सं.

नामची, 04 मई । सिक्किम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य की आगामी 7 मई से तीन दिवसीय नामची जिला यात्रा को लेकर आज जिला कलेक्टर के कार्यालय में एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। इसमें राज्यपाल के दौरे के लिए सभी आवश्यक तैयारियों के साथ ही उनके सफर के दौरान सभी व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न संबंधित विभागों के अध्यक्षों और कई प्रमुख जिला अधिकारियों ने भाग लिया।

जानकारी के अनुसार, बैठक के दौरान डीसी ने बताया कि दौरे का मुख्य लक्ष्य सभी विभाग प्रमुखों के साथ बातचीत करते हुए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करना है। वहीं उन्होंने राज्यपाल द्वारा विभिन्न विभागों के कामकाज को समझने और उनके प्रदर्शन का आकलन किये जाने की संभावना के कारण सभी विभागाध्यक्षों से पहले से पूरी तरह तैयार रहने का आग्रह किया।

इसके अलावा, बैठक में राज्यपाल की यात्रा के दौरान सुरक्षा, यात्रा कार्यक्रम योजना और यातायात नियंत्रण जैसे विभिन्न मसलों पर विचार-विमर्श किया गया।

'अरविंद केजरीवाल की जासूसी कर रही दिल्ली पुलिस', आप ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। आम आदमी पार्टी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जासूसी कर रही है और उसके विशेष प्रकोष्ठ के अधिकारी सादे कपड़ों ने पूरे दिन मुख्यमंत्री आवास के आसपास चक्कर काटते रहते हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्य प्रवक्ता सौरभ भारद्वाज ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा और संजय सिंह ने इस संबंध में दिल्ली के पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को लिखा भी है। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में टिप्पणी करने से इंकार कर दिया है।

मीडिया को संबोधित करते हुए भारद्वाज ने कहा, पिछले दो दिनों में हमारे सांसदों ने इस बेहद गंभीर मुद्दे पर पत्र लिखा है। उसके बाद उन्होंने सांसदों द्वारा लिखे गए एक जैसे पत्रों का कुछ हिस्सा पढ़ा। उन्होंने कहा, मैं आपका ध्यान एक गंभीर मुद्दे की ओर आकर्षित करना चाहूंगा। दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल को तीन बार मुख्यमंत्री बनाया है। सुरक्षा में चूक हुई है और उनपर हमले हुए हैं। पुलिस का काम नागरिकों की रक्षा करना है। लेकिन यह दुख की बात है कि वे लोग मुख्यमंत्री को भी सुरक्षित करने में सफल नहीं हैं। कुछ ही दिन पहले उनके आवास के पास ड्रोन दिखा था, लेकिन इस सिलसिले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, सांसदों ने यह भी इंगित किया है कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के कुछ अधिकारी पूरे दिन केजरीवाल के आवास के बाहर जमे रहते हैं।

भारद्वाज ने कहा, पूछताछ करने पर, उन्होंने बताया कि वे विशेष ड्यूटी पर हैं। यह कौन सी खास ड्यूटी है। क्या दिल्ली के मुख्यमंत्री की जासूसी की जा रही है? दिल्ली पुलिस किस कानून के तहत अपने ही मुख्यमंत्री की जासूसी कर रही है? वे मुख्यमंत्री आवास पर आने वाले लोगों पर नजर रख रहे हैं। सांसदों ने राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था की लचर होती स्थिति का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस मुख्यमंत्री की सुरक्षा क्यों नहीं कर रही है, उनकी जासूसी क्यों कर रही है? क्या यह गैर कानूनी नहीं है? इसका तात्पर्य क्या है? यह मामला बहुत गंभीर है। वह जो कर रहे हैं, हम उसका विरोध नहीं कर रहे हैं। हमें आपत्ति इसपर है कि केन्द्र उन्हें क्या करने को बोल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आप को खत्म करना चाहती है।

भारद्वाज ने कहा, प्रधानमंत्री के साथ हमारे मतभेद को दुनिया जानती है। प्रधानमंत्री राजनीतिक रूप से मुख्यमंत्री को खत्म करना चाहते हैं। वे आप को खत्म करना चाहते हैं और इनसे गंभीर सवाल उठते हैं। उन्हें इन सवालों का जवाब देना होगा.... सादे कपड़ों वाले पुलिसकर्मियों को क्या खास काम दिया गया है।

यह पूछने पर कि क्या पुलिसकर्मियों की संख्या मुख्यमंत्री आवास के पास ड्रोन मिलने की घटना के बाद बढ़ी हुई सुरक्षा का प्रतीक नहीं है, आप प्रवक्ता ने कहा कि जिस व्यक्ति की सुरक्षा बढ़ाई जाएगी, उसे कम से कम सूचित तो किया जाएगा। उन्होंने कहा, एक वरिष्ठ अधिकारी मुख्यमंत्री को जानकारी देगा और पूछेगा आप क्या चाहते हैं? प्रधानमंत्री को मुख्यमंत्री से ज्यादा सुरक्षा की आवश्यकता है। इसलिए, क्या पुलिस प्रधानमंत्री आवास के बाहर भी जासूसी कर रही है? अगर वहां भी ऐसा हो रहा है तो हम इसे स्वीकार कर सकते हैं। प्रधानमंत्री आवास वाले क्षेत्र में कोई पुलिसकर्मी नहीं घूम सकता है।

बीजेपी ने केंद्रीय योजनाओं पर आयोजित किया जागरुकता कार्यक्रम

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 04 मई । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक डीआर थापा के आवास में आज विभिन्न केन्द्रीय रोजगार तथा स्वरोजगार योजनाओं पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोन किया गया। कार्यक्रम में अपर बुर्तुक क्षेत्र के 40 से अधिक बेरोजगार युवा तथा कृषक शामिल हुए।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक थापा ने केन्द्र सरकार के विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं, प्रधानमन्त्री रोजगार गारंटी स्कीम, एनएलएम, राष्ट्रीय पशुधन योजना, मुद्रा लोन, सूक्ष्म कृषि लोन के साथ ही ई-श्रम कार्ड के लाभों पर प्रकाश डालते हुए इससे लाभ उठाकर अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठाने पर जोर दिया। उन्होंने डेयरी फार्मिंग, सूअर पालन, मुर्गी पालन के साथ छोटे व्यवसाय के लिए लोन लिने के इच्छुक सभी को आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी करने में सभी प्रकार के सहयोग का भरोसा दिलाया और सभी से अपने-अपने क्षेत्र में कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान सभी सहभागियों को ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण कराते हुए विभिन्न सरकारी लाभ प्राप्त करने वाले ई-श्रम कार्ड जारी किए गए।

जिलाधिकारी ने किया सोरेंग बाजार का निरीक्षण

अनुगामिनी नि.सं.

सोरेंग, 04 मई । राज्य श्रम व खाद्य सुरक्षा कानूनों, लाइसेंसिंग नियमों और इससे संबंधित मामलों के अनुपालन का जायजा लेने हेतु सोरेंग जिला कलेक्टर भीम ठटाल ने आज जिला प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सोरेंग बाजार और उसके आस-पास के इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीसी के साथ एडीएम धीरज सुबेदी, एसडीएम मुख्यालय डीआर बिस्ता, एसडीएम सनी खरेल, एसडीपीओ बिमल गुरूंग, बीडीओ एसके शर्मा, डीसीएसओ जशमन सुब्बा के अलावा बाजार निरीक्षक, पंचायत, पंचायत निरीक्षक और अन्य विभागीय अधिकारी थे।

जानकारी के अनुसार, इस दौरान डीसी और उनकी टीम ने फार्मेसी, रेस्तरां के अलावा फास्ट फूड, आभूषण, हार्डवेयर, मांस, किराना आदि दुकानों का दौरा किया और वहां उत्पादों की दरों, खाद्य सुरक्षा उपाय, आबकारी लाइसेंस, श्रम कानून अनुपालन, स्वच्छता आदि की स्थिति के बारे में पूछताछ और निरीक्षण किया। इस अवसर पर डीसी ने आमलोगों से उपभोक्ता जागरूकता सुनिश्चित करने, दुकान मालिकों द्वारा ग्राहक सुविधा प्रदान करने, सिंगल यूज ख़्लास्टिक का उपयोग तत्काल बंद करने के निर्देश दिए।

वहीं निरीक्षण के दौरान सबलेटिंग लाइसेंस के दुकानों का सत्यापन करते हुए दोषी पाए जाने वालों को सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। साथ ही टीम ने हाट बाजार का भी दौरा किया और फेरीवालों और विक्रेताओं से बातचीत की। वहां उन्होंने संबंधित अधिकारियों को हाट के दौरान प्रति हॉकर-विक्रेता को केवल एक ही अनुमति जारी करने का आश्वासन देने का निर्देश दिया।

आपातकाल के खिलाफ चट्टान की तरह खड़े थे प्रकाश सिंह बादल : अमित शाह

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। दिवंगत अकाली नेता प्रकाश सिंह बादल को बड़े दिल वाला, किसानों का हमदर्द और आपातकाल के खिलाफ चट्टान की तरह खड़े रहने वाला व्यक्ति बताते हुए केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

शाह ने कहा कि उन्होंने हमेशा धर्मनिरपेक्षता को महत्व दिया और उसका पालन किया और उनका निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। पंजाब के मुक्तसर जिले में पैतृक गांव बादल में उनके परिवार और समर्थकों के साथ संवेदना व्यक्त करते हुए शाह ने कहा कि अनुभवी नेता का निधन बेहद दुखद है।

उनका कई दशकों का करियर गरीबों के कल्याण के लिए समर्पित था। उनका निधन भारतीय राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है। सिख 'पंथ' (समुदाय) ने एक सच्चा सैनिक और देश ने एक सच्चा देशभक्त खो दिया है।

शाह के अलावा, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी गजेंद्र सिंह शेखावत और सोम प्रकाश, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राजस्थान के कांग्रेस नेता सचिन पायलट, अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह के अलावा कई धार्मिक नेता और सिख संप्रदायों के प्रमुखों ने बादल के अंतिम अरदास में हिस्सा लिया।

प्रकाश सिंह बादल का 25 अप्रैल को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार 27 अप्रैल को किया गया।

बादल की तस्वीर पर सम्मान के तौर पर दो बार फूल चढ़ाने के बाद शाह ने अपने संबोधन में कहा, 'वह उनमें से थे जिनके दुश्मन नहीं थे।'

बादल साहब लोकतंत्र की रक्षा के लिए आपातकाल के खिलाफ चट्टान की तरह खड़े रहे।

शाह ने कहा कि उन्हें कई बार बादल से मिलने का सौभाग्य मिला है। यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी।

बादल को हमेशा शांति और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए काम करने वाला व्यक्ति बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, सात दशक के अपने करियर में बादल पांच बार पंजाब के मुख्यमंत्री और केंद्र में मंत्री रहे। नए पंजाब की नींव रखी।

मुझे उनके बेटे (सुखबीर बादल) ने अभी बताया है कि बादल गांव में बादल साहब ने एक मंदिर, एक मस्जिद और एक गुरुद्वारा बनवाया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पहलवानों की याचिका बंद की, कहा- एफआईआर दर्ज हुई, अब दिल्ली हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार को तीन महिला पहलवानों की याचिका पर कार्यवाही बंद कर दी जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं।

उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले इस बात का संज्ञान लिया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और सात शिकायतकर्ताओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गयी है।

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने पहलवानों के वकील की इस मौखिक याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया कि इस मामले में चल रही जांच पर किसी उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त या सेवारत न्यायाधीश निगरानी रखें।

पीठ में न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला भी शामिल रहे। पीठ ने कहा, आप यहां प्राथमिकी दर्ज कराने और शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा की विशेष प्रार्थना लेकर आये थे। आपकी दोनों प्रार्थनाओं को मान लिया गया है। अगर आपको अन्य कोई शिकायत है तो आप उच्च न्यायालय या संबंधित मजिस्ट्रेट के पास जा सकते हैं।

पीठ ने कहा कि वह फिलहाल कार्यवाही बंद कर रही है।

उसने याचिकाकर्ता को आगे और राहत के लिए उच्च न्यायालय या संबंधित मजिस्ट्रेट के पास जाने की स्वतंत्रता दी।

दिल्ली पुलिस की ओर से पक्ष रख रहे सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने शुरुआत में पीठ को बताया कि शीर्ष अदालत के 28 अप्रैल के आदेश के अनुसार शिकायती पहलवानों को खतरा होने की धारणा का आकलन पुलिस ने किया है।

उन्होंने पीठ से कहा कि नाबालिग शिकायतकर्ता और छह अन्य महिला पहलवानों के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम किये गये हैं।

मेहता ने कहा कि नाबालिग शिकायतकर्ता समेत चार पहलवानों के बयान दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 161 के तहत दर्ज किये गये हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक जीतने वाले अनेक पहलवान यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों में जांच पर एक समिति के निष्कर्षों को सार्वजनिक करने की मांग कर रहे हैं।

पहलवानों ने कहा है कि जब तक सिंह को गिरफ्तार नहीं किया जाता, वे प्रदर्शन स्थल छोड़कर नहीं जाएंगे।

फडणवीस का संजय राउत पर बड़ा आरोप, कहा- कांग्रेस के बिचौलिए बनकर न करें काम

मुंबई, 04 मई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना के नेता संजय राउत पर बिचौलिए होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राउत कांग्रेस के निर्देश पर चल रहे हैं। जैसा कांग्रेस बोल रही है वैसा ही कर रहे हैं। इसी के चलते राउत ने भाजपा के वोट कम करने के लिए कर्नाटक के बेलागवी में प्रचार किया था।

फडणवीस बेलागवी जिले में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। बता दें, यहां मराठी भाषा के लोगों की अच्छी खासी आबादी है। यह भाषा दशकों से दो पड़ोसी राज्यों महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच विवाद का कारण रहा है। साल 1960 के दशक में भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के बाद से विवाद रहा है।

फडणवीस ने दावा किया कि अगर राउत कांग्रेस के बिचौलिए की तरह काम करना बंद कर देते हैं, तो वह यहां नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि राउत भाजपा के वोट काटने के लिए कांग्रेस के निर्देश पर यहां आए हुए हैं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रमुख ने कहा कि राउत की पार्टी और कांग्रेस राजनीतिक सहयोगी हैं, इसलिए हमें बताने के बजाय उन्हें कांग्रेस नेताओं से बेलागवी में उम्मीदवार नहीं उतारने के लिए कहना चाहिए था। महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद को सुलझाने पर भाजपा के रुख के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा कि मेरी पार्टी के साथ-साथ मैं भी बेलागवी में रह रहे मराठी भाषी लोगों के पूर्ण समर्थन में हूं।

बता दें, राउत कई बार फडणवीस को दक्षिणी राज्य के बेलागवी-कारवार इलाकों में मराठी भाषी लोगों के अधिकारों के लिए लड़ने वाली संस्था महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) का समर्थन करने की चुनौती दे चुके हैं। साथ ही भाजपा पर संगठन को कमजोर करने का आरोप लगाया।

गौरतलब है, हाल ही में भाजपा को कर्नाटक में हराने के लिए कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी ने गठबंधन बनाया है। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 10 मई को होंगे।

कर्नाटक में चुनाव प्रचार के लिए उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना की ओर से बेलागवी-कारवार इलाके में पहुंचे सांसद संजय राउत ने बुधवार को भाजपा पर जमकर हमला किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि भाजपा इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में धांधली कर चुनाव जीतती है। पार्टी को कोई जनसमर्थन हासिल नहीं है।

किश्तवाड़ में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश, 3 घायल

जम्मू, 04 मई (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के दूर दराज इलाके मड़वा के मचना जंगलों में सेना का हेलीकॉप्टर क्रैश हुआ है। जिसमें दो पायलट और एक तकनीशियन घायल हो गए।

रक्षा सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को पूर्वाह्न 11.15 बजे ऑपरेशनल मिशन पर आर्मी एविएशन एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर ने मरुआ नदी के तट पर एहतियातन लैंडिंग की।

इनपुट्स के मुताबिक, पायलटों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (एटीसी) को तकनीकी खराबी की सूचना दी थी और एहतियाती लैंडिंग के लिए आगे बढ़े। उबड़-खाबड़ जमीन, अंडरग्रोथ और बिना तैयारी के लैंडिंग क्षेत्र के कारण, हेलीकॉप्टर ने स्पष्ट रूप से एक कठिन लैंडिंग की।

सूत्रों ने बताया कि तत्काल बचाव अभियान शुरू किया गया और सेना की बचाव टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। विमान में दो पायलट और एक टेक्नीशियन सवार थे। तीनों घायल कर्मियों को उधमपुर के कमांड अस्पताल ले जाया गया है।

घटना की कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं।

डॉ. अनिल कुमार यादव 10वीं बार यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण की

अनुगामिनी का.सं.

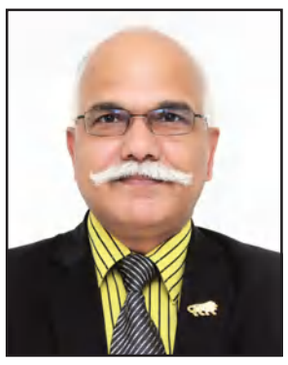

गंगटोक, 04 मई । नर बहादुर डिग्री कॉलेज, तादोंग और पाकिम सेंट जेवियर्स स्कूल के पूर्व छात्र डॉ. अनिल कुमार यादव ने दसवीं बार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज 'यूजीसी-नेट इन मोस्ट सब्जेक्ट्स' का अपना खुद का खिताब तोड़ दिया है।

उन्होंने एक बार फिर दिसंबर 2022 यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर यह उपलब्धि हासिल की है। उनका रिकॉर्ड 10वां यूजीसी-नेट सर्टिफिकेट शिक्षा विषय में है, जिसे उन्होंने 95.7885946 पर्सेंटाइल के साथ क्वालीफाई किया है।

उल्लेखनीय है कि अब तक डॉ. यादव ने दस अलग-अलग विषयों में यूजीसी-नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। इनमें अर्थशास्त्र (जून 2011), प्रबंधन (जून 2012), वाणिज्य (दिसंबर 2012), एचआरएम/श्रम कल्याण (जून 2013), मनोविज्ञान (दिसंबर 2014), लोक प्रशासन (जुलाई 2018), पत्रकारिता एवं जनसंचार (दिसंबर 2018), राजनीतिक विज्ञान (जून 2020) के अलावा एंथ्रोपोलॉजी (दिसंबर 2020 और जून 2021 संयुक्त सत्र) और शिक्षा (दिसंबर 2022) शामिल हैं।

सीएम ने दी श्यादर .....

और प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा, जिसे हमारे स्वास्थ्य, खुशी और कल्याण के अंतिम स्रोत के रूप में पूजा जाता है।

राज्यभर में जोश और उत्साह के साथ मनाया जाने वाला, श्यादर पिदर पर्व को 'उभौली पूजा' के नाम से भी जाना जाता है। यह सुनुवार समुदाय के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है और हमारी कृषि संस्कृति और परंपरा का एक अभिन्न अंग है।

बड़ी संख्या में होगी .....

उन्होंने भी योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु बड़ी संख्या में समाज कल्याण निरीक्षकों की भर्ती के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इन्हें योजनाओं की निगरानी तथा आमलोगों के प्रति प्रचार-प्रसार का काम सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि ये निरीक्षक आम जनता और राज्य सरकार के बीच की कड़ी का काम करेंगे। वहीं उन्होंने राज्य सरकार की आमा योजना, अविवाहित पेंशन योजना और विधवा पेंशन योजना जैसी विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में महिला व बाल विकास विभाग की अपर सचिव सुश्री बंदना राई ने भी कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए महिलाओं के उत्थान हेतु विभिन्न कार्यक्रमों, विकलांगों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए अनुदान के बारे में बताया। उन्होंने पूरे राज्य में आयोजित किए जा रहे विभिन्न चिकित्सा शिविरों के बारे में भी विस्तार से बताया। इस दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के ओएसडी सुरजय प्रधान, सीपीएस की अतिरिक्त सचिव सुश्री ताशी चोडेन भूटिया, महिला व बाल विकास विभाग की संयुक्त निदेशक ताशी डोमा भूटिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

स्वाति मालीवाल मामले में हस्तक्षेप से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा- जल्द फैसला करे हाईकोर्ट

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। स्वाति मालीवाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट ने 10 मार्च 2023 के अपने फैसले में स्वाति मालीवाल के खिलाफ ट्रायल कोर्ट में चल रही सुनवाई पर रोक लगा दी थी। अब सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले में हस्तएक्षेप से इंकार कर दिया है और ट्रायल कोर्ट की सुनवाई पर रोक जारी रखी है।

दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष बरखा शुक्ला सिंह ने दिल्ली महिला आयोग की मौजूदा अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। बरखा सिंह ने आरोप लगाया था कि स्वाति मालीवाल ने आयोग में विभिन्न पदों पर आम आदमी पार्टी से जुड़े लोगों की भर्ती की है। आरोप है कि स्वाति मालीवाल ने अपने पद का दुरुपयोग किया।

इसके खिलाफ स्वाति मालीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी मालीवाल को राहत देते हुए ट्रायल कोर्ट की सुनवाई पर स्टे लगा दिया। साथ ही हाईकोर्ट ने जांच एजेंसी को जवाब देने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। हाईकोर्ट 26 जुलाई को इस मामले की सुनवाई करेगा, तब तक ट्रायल कोर्ट की सुनवाई पर रोक रहेगी।

दिल्ली हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप से इनकार कर दिया है।

हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को कहा है कि वह जल्द से जल्द मामले पर फैसला दे।

CHANGE OF NAME

I, SMT ANKITA SPOUSE OF NO 7786344N NK(MP) ANUPAM KUMAR RESIDING AT VILL.-RAMSIR, P.O.-GANGAJAMUNI, TEH & DISTT.- BAHRAICH (UP) DECLARE THAT HAVE CHANGED MY NAME FROM **SMT ANKITA** TO **KM ANKITA TIWARI** VIDE **AFFIDAVIT NO A320779**.

सेना में पोर्टरों की भर्ती

1. सेना में 179 दिनों के लिए पोर्टर पद हेतु भर्ती का आयोजन किया गया है। जिसका वेतन 18,000/- + डीए हर महीने के साथ खाना, रहना, कपड़ा और चिकित्सा सुविधा मुफ्त में दी जायेगी।
2. (क) पूर्व सिक्किम में काम करने हेतु।
   (ख) 179 दिन तक के कोंट्रेक बेस पर।
   (ग) पद- 600
3. **आवश्यक कागज पत्र का विवरण इस प्रकार है:-**
   (क) स्वयं का 12 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ ।
   (ख) नॉमिनी की 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ ।
   (ग) निवास प्रमाण-पत्र ।
   (घ) परिचय पत्र (वोटर कार्ड/आधार कार्ड/ग्राम पंचायत का प्रमाण-पत्र) ।
   (ङ) पुलिस वेरीफीकेशन (6 महीने के अंदर का ही होना चाहिए) ।
   (च) बैंक खाता नंबर (केवल एसबीआई का ही होना चाहिए) ।
   (छ) उम्र 18-40 तक :-
   18 वर्ष के लिए जन्म - 15 मई 2023 को 18 वर्ष का हो जाना चाहिए ।
   40 वर्ष के लिए जन्म - 15 मई 1983 के पहले का नहीं होना चाहिए ।
4. **भर्ती का स्थान व समय:-**
   (क) 15 मई 2023 सुबह 8 बजे से दोपहर 4 बजे तक **मल्टी युटीलिटी शेड के नजदीक ताशी कॉम्प्लेक्स, गंगटोक ।**
   (ख) 18 मई 2023 सुबह 8 बजे से दोपहर 4 बजे तक **हिल ड्रायविंग स्कूल के पास रोंगली।**
   (ग) 20 मई 2023 सुबह 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक **हरियाणा बैंड, छांगु झील से ऊपर ।**

सम्पर्क फोन: +91 75278 11103

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR MAHANADI THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:5 DrawDate on:04/05/23 Price₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 64G 09045
Cons. Prize ₹1000/- 09045 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
02572 11202 20169 32114 32460 35397 40604 40860 79065 92772
3rd Prize ₹450/-
2980 3838 3926 4783 5033 5574 6293 7672 8467 9738
4th Prize ₹250/-
1169 1296 3164 4033 4100 7380 7388 8057 8258 8541
5th Prize ₹120/-
0030 0101 0122 0404 0537 0565 0742 0838 0942 1117
1262 1287 1525 1619 1669 1684 1845 2028 2042 2077
2198 2210 2359 2378 2379 2601 2609 2635 2707 2749
2805 2986 3000 3001 3079 3241 3262 3470 3474 3728
3877 3919 3939 4022 4035 4149 4291 4376 4378 4402
4607 4620 4692 4712 4779 4873 5151 5179 5190 5208
5292 5377 5489 5496 5833 5862 5984 6289 6350 6568
6609 6656 6666 6770 6909 6984 7053 7179 7280 7351
7372 7387 7404 7507 7526 7613 7754 7865 7975 8109
8310 8403 8414 8657 8915 9040 9374 9391 9393 9954
BUILD BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.NagalandLotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR LAKE THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:5 DrawDate on:04/05/23 Price₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 82E 78208
Cons. Prize ₹1000/- 78208 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
03460 14590 60488 66934 75785 76047 85986 90429 97556 98930
3rd Prize ₹450/-
1352 2899 3242 5707 5736 6683 7349 8152 8244 9813
4th Prize ₹250/-
1144 2405 2559 5062 5519 5766 7106 8013 9168 9254
5th Prize ₹120/-
0028 0034 0144 0146 0270 0332 0501 0616 0685 0741
0803 0807 0992 1175 1304 1360 1505 1719 1928 1831
1895 1912 1952 1955 1997 2208 2326 2582 2801 2885
3069 3243 3384 3404 3554 3607 3660 3685 4013 4014
4056 4382 4503 4614 4715 5015 5092 5238 5302 5493
5661 5743 6010 6017 6078 6090 6101 6262 6296 6425
6406 6691 6847 6070 6977 7032 7997 7102 7114 7135
7244 7269 7272 7288 7355 7437 7636 7693 7748 7848
7916 7955 8302 8384 8441 8545 8588 8909 8948 8964
9125 9219 9323 9412 9418 9500 9597 9609 9741 9825
BUILD BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.NagalandLotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR SANDPIPER THURSDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:5 DrawDate on:04/05/23 Price₹6/-
1st Prize ₹1 Crore/- 66J 04971
Cons. Prize ₹1000/- 04971 (Remaining All Serial & Series)
2nd Prize ₹9000/-
01250 01669 03887 41271 46426 48175 49584 91927 93782 96528
3rd Prize ₹450/-
0945 3546 3949 4554 5453 7243 7739 9172 9208 9969
4th Prize ₹250/-
0040 0485 0872 3030 4896 5312 6091 6892 7607 9381
5th Prize ₹120/-
0009 0152 0281 0407 0408 0489 0525 0588 0680 0681
0932 0955 1101 1163 1243 1417 1431 1495 1499 1510
1519 1541 1598 1637 1770 1972 2027 2276 2278 2596
2397 2428 2517 2631 3090 3117 3567 3772 3786 3932
4299 4293 4301 4435 4524 4941 4848 4873 4906 5006
5030 5195 5446 5457 5468 5541 5552 5625 5671 5711
5726 5749 5783 5896 5957 5992 6821 6029 6120 6219
6310 6416 6606 6622 6931 7064 7148 7162 7508 7687
7751 7918 8084 8122 8314 8449 8568 8595 8826 8850
8855 8904 9078 9423 9435 9562 9571 9641 9768 9948
BUILD BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.NagalandLotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

अब जेल भी सुरक्षित नहीं

दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी और देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली तिहाड़ जेल के अंदर चार कैदियों ने जिस तरह से एक अन्य कैदी की हत्या कर दी, वह न केवल हैरत में डालती है बल्कि जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। 20 दिन के अंदर तिहाड़ में यह दूसरे बड़े गैंगस्टर की हत्या है। टिल्लू ताजपुरिया नाम के इस गैंगस्टर की हत्या से जुड़े डीटेल्स परेशान करने वाले हैं। इससे साफ हो जाता है कि यह हीट ऑफ द मोमेंट में अचानक की गई ऐसी हत्या नहीं है, जिसके बारे में किसी को भी पहले से कोई अंदाजा नहीं था और इसीलिए उसे रोकने के लिए कुछ करने का मौका नहीं मिला। यह जेल की सुरक्षा व्यवस्था की बारीकियों पर गौर करने के बाद सुनियोजित ढंग से अंजाम दी गई घटना लगती है। इस घटना से जुड़ी दोनों गैंगों के बीच की दुश्मनी कोई छिपी हुई बात नहीं थी, जो लंबे समय से चली आ रही थी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि मारे गए गैंगस्टर को एक सप्ताह पहले सुरक्षा कारणों से ही मंडोली जेल से तिहाड़ लाया गया था। जाहिर है, इसके पीछे सोच यही रही होगी कि तिहाड़ जेल में वह ज्यादा सुरक्षित होगा। इसमें कुछ अस्वाभाविक भी नहीं था क्योंकि न केवल सुरक्षा की दृष्टि से बल्कि अन्य पैमानों पर भी तिहाड़ देश की सबसे मॉडर्न और सबसे अच्छी जेलों में गिनी जाती है।

ऐसे में यह सवाल पूछा जाना लाजिमी है कि जब तिहाड़ जेल का यह हाल है तो बाकी जेलों की क्या स्थिति होगी। इस हत्या से जो दो गैंग जुड़े हैं, उनकी दुश्मनी की शुरुआत 2013 में दिल्ली यूनिवर्सिटी के एक कॉलेज के स्टूडेंट यूनियन चुनाव से हुई बताई जाती है। उसके बाद इनके बीच हमलों और हत्याओं का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसमें अब तक दोनों गैंग सरगनाओं सहित 22 लोगों की जानें जा चुकी हैं। जिस तरह से यह गैंगवॉर चलती रही, उससे स्पष्ट है कि जेल के अंदर या बाहर होने, पुलिस हिरासत में होने, यहां तक कि अदालत परिसर में होने से भी इस पर कोई फर्क नहीं पड़ा। टिल्लू गैंग के लोगों ने जब विरोधी गैंग के जितेंदर गोगी की हत्या की, तब वह सुनवाई के लिए रोहिणी कोर्ट ले जाया गया था।

खुद टिल्लू भी तब जेल में था और जेल के अंदर से ही अपनी गैंग चला रहा था। जाहिर है, यह पूरा मामला तिहाड़ या किसी भी एक जेल की व्यवस्था में हलकी फुल्की चूक या लापरवाही का फायदा उठाने का नहीं बल्कि अपराध नियंत्रण की हमारी पूरी व्यवस्था की नाकामी का, उसके काफी हद तक निष्प्रभावी होने का है। इसमें जल्द से जल्द सुधार लाने की जरूरत है।

गैस आधारित अर्थव्यवस्था के लिए युक्तिकरण और सुधार

हरदीप सिंह पुरी
केंद्रीय मंत्री

मोदी सरकार भारतीय उपभोक्ताओं को अंतरराष्ट्रीय तेल और गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाने के लिए कई उपाय कर रही है। जनवरी, 2021 से फरवरी, 2023 के बीच अंतरराष्ट्रीय गैस की कीमतों में 228 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि के बावजूद, भारत में सीएनजी की कीमतों में वृद्धि को 83 प्रतिशत तक सीमित रखा गया है, जो वैश्विक वृद्धि का केवल एक तिहाई है। राजनीतिक तौर पर विरोध कहने वाले, बढ़ती कीमतों की आलोचना करने की हड़बड़ी में, यह देखने में विफल रहते हैं कि अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत ने अपने नागरिकों को अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से बचाने के लिए कितने अच्छे कदम उठाये हैं।

घरेलू प्रशासित मूल्य व्यवस्था (एपीएम), गैस आवंटन को बढ़ाने और गैर-प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से परिवहन और घरेलू क्षेत्रों में गैस की आपूर्ति करने जैसे सक्रिय उपायों के माध्यम से दूरदर्शी शासन-व्यवस्था ने इसे संभव बनाया है। हाल ही में, महत्वपूर्ण एपीएम गैस मूल्य निर्धारण सुधारों की एक श्रृंखला को मंजूरी देने से संबंधित कैबिनेट निर्णय इस उद्देश्य को और आगे बढ़ाएगा। इन सुधारों के द्वारा दो प्रमुख लक्ष्यों को हासिल किया गया है - पहला, अत्यधिक मूल्य अस्थिरता से भारतीयों की रक्षा करना और गैस आधारित क्षेत्रों में योजनाबद्ध पूंजीगत व्यय से जुड़े निवेश के लिए स्पष्ट रूपरेखा प्रदान करना और दूसरा, अन्वेषण और उत्पादन (ईएंडपी) में नवाचार और निवेश को और बढ़ावा देना।

नए घरेलू गैस मूल्य निर्धारण दिशानिर्देश, 2014 की सीमाओं के कारण युक्तिकरण और सुधार (आर एंड आर) की आवश्यकता सामने आयी, जो हाल तक, चार अंतरराष्ट्रीय केंद्रों पर गैस की मात्रा-भारित औसत कीमत के आधार पर एपीएम की कीमतों को निर्धारित करती थी। इन कीमतों का प्रभाव एक महत्वपूर्ण समय अंतराल (6-9 महीने) के बाद पड़ता था और इससे कीमतों में उच्च अस्थिरता मौजूद रहती थी, यहां तक कि पिछले कुछ वर्षों में दो उत्पादक देशों की गैस हब कीमतों ने अपनी प्रासंगिकता खो दी है।

उदाहरण के लिए, अक्टूबर 2020 और सितंबर 2021 के बीच एपीएम मूल्य 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा, जो नामित क्षेत्रों के लिए 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की उत्पादन लागत से बहुत कम है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम भारत में एलएनजी की कीमतों का औसत लगभग 11 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू रहा था। संक्षेप में, घरेलू उत्पादन को एलएनजी की कीमतों के 20 प्रतिशत से भी कम मूल्य प्राप्त हुआ। हालांकि, रूस-यूक्रेन संकट के बाद अंतरराष्ट्रीय हब की कीमतों में 400 प्रतिशत की वृद्धि के कारण सितंबर 2021 में उक्त एपीएम की कीमतें सितंबर 2021 के 1.79 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू से बढ़कर अक्टूबर 2022 में 8.57 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू हो गईं, जिसका उर्वरक, बिजली और सिटी गैस वितरण (सीजीडी) क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

सरकार ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं के साथ-साथ राष्ट्रीय तेल कंपनियों को इस तरह की अस्थिरता से बचाने का फैसला किया, एपीएम की कीमतों को मासिक आधार पर निर्धारित किए जाने वाले भारतीय क्रूड बास्केट मूल्य के 10 प्रतिशत पर रखने के साथ-साथ नामांकन क्षेत्रों के लिए 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के अधिकतम सीमा और 4.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की न्यूनतम सीमा तय की गयी। अधिकतम सीमा पिछले 20 वर्षों के भारतीय कच्चे तेल की कीमत (लगभग 65 डॉलर प्रति बीबीएल) के 10 प्रतिशत पर निर्धारित की गई है, जबकि न्यूनतम मूल्य का निर्धारण, नामांकन क्षेत्रों से गैस उत्पादन के लिए लगभग 3.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के उत्पादन की सीमांत लागत पर विचार करता है।

अधिकांश भारतीय दीर्घकालिक एलएनजी अनुबंध, ब्रेंट से लगभग 13 प्रतिशत अधिक पर केन्द्रित रहे थे। एलएनजी अनुबंधों में द्रवीकरण, परिवहन और पुनर्गैसीकरण की लागतों को ध्यान में रखते हुए, घरेलू गैस, एपीएम कीमतों से 10 प्रतिशत अधिक रही।

इन सुधारों के बाद, घरों के लिए खाना पकाने के ईंधन (पीएनजी) की औसत लागत लगभग 10 प्रतिशत कम हो गई है और सीएनजी कीमतों में 6-7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है। एक और महत्वपूर्ण लाभ, उर्वरक सब्सिडी में कमी से संबंधित है, जिसके हर साल 2000 करोड़ रुपये से अधिक होने की उम्मीद है।

ये सुधार, नामांकन के परिपक्व क्षेत्रों के लिए न्यूनतम मूल्य प्रदान करके ई व पी क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे, साथ ही नामित क्षेत्रों के नए कूओं को भी प्रोत्साहित करेंगे, जो 20 प्रतिशत अधिक मूल्य प्राप्त करेंगे। ओएनजीसी और ओआईएल से उत्पादन पर निर्धारित अधिकतम सीमा पहले दो वर्षों के लिए समान रहेगी और फिर किसी भी लागत मुद्रास्फीति को समायोजित करने के लिए, इसमें हर साल 0.25 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की वृद्धि होगी। ये सुधार नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एनईएलपी) क्षेत्रों या उच्च दबाव, उच्च तापमान (एचपी-एचटी) क्षेत्रों की निजी कंपनियों को प्रभावित नहीं करेंगे, जिनके पास अधिकतम कीमत या फरवरी 2019 के बाद प्रस्तुत क्षेत्र विकास योजनाओं से नया गैस उत्पादन मौजूद है। उनके लिए विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता जारी रहेगी।

कैबिनेट के फैसलों को बाजारों और विशेषज्ञों, दोनों तरफ से शानदार प्रतिक्रिया मिली है। हालाँकि, कुछ टिप्पणीकारों ने इस अखबार के एक ऑप-एड में इन सुधारों के बारे में चिंता जताई है। उनके लेख में कहा गया है कि घरेलू उपभोक्ताओं को यूएस-आधारित हेनरी हब की कीमतों में हाल में आयी कमी से लाभ होता, यदि रूसी गैस की कीमतों में सुधारों को लागू नहीं किया गया होता। लेख इस बात का उल्लेख करना भूल जाता है कि 2014 के नियम के तहत चार हब थे और एक हब की कीमतें, यानी ब्रिटिश-आधारित वर्चुअल ट्रेडिंग ज़ोन नेशनल बैलेंसिंग पॉइंट (एनबीपी) अभी भी 12 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के आसपास है। इसके अलावा, वर्तमान कीमतों ने केवल अक्टूबर 2023-मार्च 2024 के अगले मूल्य चक्र में एपीएम की कीमतों को प्रभावित किया होता। नियम में हाल में हुआ बदलाव यह सुनिश्चित करता है कि उपभोक्ताओं को लाभ, बिना किसी समय अंतराल के मिले, क्योंकि कीमत अब अर्धवार्षिक आधार के बजाय मासिक आधार पर निर्धारित की जाएगी।

उपरोक्त लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि घरेलू गैस के लिए मौजूदा उच्च कूप की शीर्ष कीमतें, कतर एलएनजी के अलावा, भारत में एलएनजी निर्यात के लिए निरंतर उच्च कीमत सुनिश्चित करती हैं। घरेलू गैस की कीमतों का लंबी अवधि के एलएनजी अनुबंधों या यहां तक कि एलएनजी की तत्काल खरीद से कोई लेना-देना नहीं है। रुके हुए गैस आधारित बिजली संयंत्रों को लेकर भी चिंता जताई गई है। पिछले अर्धवार्षिक मूल्य 8.57 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू के दौरान, कुछ बिजली संयंत्रों ने अनुबंधित गैस लेना बंद कर दिया था, जिसके कारण गैस बिक्री और खरीद समझौते (जीएसपीए) के तहत लेने या भुगतान करने की बाध्यता से जुड़ी समस्याएं पैदा हो गई थीं। 6.5 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की नई सीमा के साथ, गैस बिजली संयंत्रों को अब राहत मिलेगी, जो आवश्यक भी है।

कठिन क्षेत्रों (डीपवाटर, अल्ट्रा डीपवाटर और एचपी-एचटी फील्ड) से गैस उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने मार्च 2016 में अधिसूचित किया था कि एचटीएचपी की अधिकतम कीमतों को आयातित वैकल्पिक ईंधन जैसे एलएनजी और आयातित ईंधन तेल के यहाँ तक पहुँचने के मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। इस सरकार से पहले, इन क्षेत्रों से उत्पादन को व्यावहारिक नहीं माना जाता था। आज, कठिन क्षेत्रों से उत्पादन, कुल घरेलू गैस उत्पादन के लगभग 20 प्रतिशत तक पहुंच गया है और अगले कुछ वर्षों में इसके 30 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है। इन क्षेत्रों से उत्पादन की प्रकृति, जटिलता और व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए, उनके नियम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

भारत तेल और गैस परिचालन के लिए तेजी से अवसंरचना का विस्तार कर रहा है तथा उपभोक्ताओं और उत्पादकों दोनों के हितों को संतुलित करने के लिए नीतिगत सुधारों को क्रियान्वित कर रहा है। भारत ने अपने गैस पाइपलाइन नेटवर्क की लंबाई 2014 के 14,700 किलोमीटर से बढ़ाकर 2023 में 22,000 किलोमीटर कर दी है।

घरेलू कनेक्शन की संख्या 2014 के 22.28 लाख से बढ़कर 2023 में 1.03 करोड़ हो गई है। भारत में सीजीडी से कवर किये गए जिलों की संख्या 2014 के 66 से बढ़कर 2023 में 630 हो गयी है, जबकि सीएनजी स्टेशन 2014 के 938 से बढ़कर 2023 में 5,283 हो गए हैं। भारत की एलएनजी टर्मिनल पुनर्गैसीकरण क्षमता 2014 के 21.7 एमएमटीपीए से बढ़कर 2023 में 42.7 एमएमटीपीए हो गई है, जबकि 20 एमएमटीपीए क्षमता निर्माणाधीन है।

प्राकृतिक गैस की बढ़ती मांग के साथ, भारत अपने ऊर्जा-स्रोतों में व्यापक बदलाव के लक्ष्यों के हिस्से के रूप में गैस आधारित अर्थव्यवस्था को साकार करने के मार्ग पर है। भारत के लिए एक स्वच्छ, हरित और सतत ऊर्जा भविष्य का विजन तेजी से वास्तविकता बन रहा है।

पिछड़े क्षेत्रों में समाधान

भारत डोगरा

हाल के वर्षों में किसानों का बढ़ता संकट देश के अनेक भागों में किसी न किसी संदर्भ में चर्चित रहा है। प्राय: इसके समाधानों की चर्चा अधिक विकसित क्षेत्रों के संदर्भ में ही होती है, पर हाल के समय में अनेक पिछड़े माने जाने वाले क्षेत्रों से भी ऐसे उदाहरण मिले हैं, जहां पर्यावरण की रक्षा वाली खेती, कम खर्च की खेती और प्राकृतिक खेती से बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं। प्राकृतिक खेती के विषय में प्राय: कहा जाता है कि चाहे यह पर्यावरण रक्षा में कितनी ही सफल हो पर उत्पादन उच्च स्तर पर बनाए रखने में सफल नहीं है। बस, यहीं पर बात ठहर जाती है पर सच्चाई यह है कि जब प्राकृतिक खेती पूरी निष्ठा और सावधानी से की जाती है, तो यह पर्यावरण की रक्षा करने के साथ-साथ उत्पादन उच्च स्तर पर रखने में भी समर्थ है। हाल में (जनवरी-फरवरी, 2023) इस लेखक ने तीन राज्यों (मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश) के 7 जिलों के 28 से ज्यादा ऐसे गांवों का दौरा किया जहां बीते एक दशक से प्राकृतिक खेती के प्रसार के प्रयास हो रहे हैं। लेखक ने 270 से ज्यादा ऐसे किसानों विशेषकर महिला और छोटे किसानों, से बातचीत की जो प्राकृतिक खेती को या तो पूर्णत: या आंशिक तौर पर अपना चुके हैं। इनमें से किसी ने भी नहीं कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने से उन्हें क्षति हुई है, या वे इसे छोड़ना चाहते हैं। हां, अनेक किसानों (लगभग आधे किसानों) ने यह अवश्य कहा कि प्राकृतिक खेती अपनाने के आरंभिक दौर में कठिनाई जरूर आई और उत्पादन में कुछ कमी आई पर साथ ही यह भी कहा कि यह कठिन दौर वे जल्द ही पार कर गए या कर रहे हैं। अब उत्पादन पहले जितना या अधिक है। सभी किसानों ने एक स्वर में कहा कि फसल (चाहे अनाज हो या सब्जी-फल) की गुणवत्ता पहले से बेहतर है। अनेक किसानों ने यह भी कहा कि इस बेहतर गुणवत्ता की फसल की कीमत अधिक मिल रही है, अत: उत्पादन कुछ कम होने पर भी आय बढ़ी है। कुछ किसानों ने प्राकृतिक खेती अपनाने के बाद उल्लेखनीय उत्पादन वृद्धि के विषय में भी बताया। एल्हा गांव (ब्लॉक मानिकपुर, जिला चित्रकूट) में तालाब की वर्षों से जमा मिट्टी को निकाला गया। तालाब की जल-संग्रहण क्षमता बढ़ी, उधर बाहर निकाली गई बेहद उपजाऊ मिट्टी को किसानों के खेतों में पहुंचाया गया। तालाब में वर्ष भर पानी रहने लगा, सिंचाई बेहतर हुई, पशु-पक्षियों को भी राहत मिली। इस तरह धरती में पानी का रिचार्ज बढ़ा, कुओं में भी बेहतर पानी प्राप्त होने लगा और पेयजल का संकट कम हुआ।

इस बेहतर स्थिति का श्रेय जाता है समाज सेवा संस्थान और सृजन संस्थाओं के एक कार्यक्रम को जिसमें जल-संरक्षण और प्राकृतिक खेती का सुंदर समागम है। रासायनिक खाद और कीटनाशक दवाओं के स्थान पर किसानों ने इस कार्यक्रम में गोबर और गोमूत्र का बेहतर से बेहतर उपयोग कर भूमि के प्राकृतिक उपजाऊ पन को बढ़ाने और फसल की कीड़ों, बीमारियों से रक्षा करने का भरपूर प्रयास किया। राम बिशुन यादव और शिव अवतार यादव जैसे किसान और सामाजिक कार्यकर्ता गजेन्द्र विास से कहते हैं कि उनका उत्पादन बढ़ा है। उन्होंने हिसाब-किताब लगा कर बताया कि मौसम ठीक रहे तो इन प्रयासों के मिले-जुले असर से 1 बीघा में गेहूं का उत्पादन 2 से 4टिल हो रहा है यानी 4000 से बढ़कर 8000 रुपये गेहूं का उत्पादन हो रहा है। प्राकृतिक खेती में रासायनिक खाद और कीटनाशक दवा का उपयोग न होने से प्रति बीघा खर्च में 2200 रुपये की बचत हो रही है। भूसा अधिक प्राप्त होने से 1000 रुपये प्रति बीघे का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इस तरह प्रति बीघे 7200 रुपये का लाभ होने से किसानों की स्थिति में बहुत फर्क आया है, जो प्रयासों का मिला-जुला परिणाम है और इसमें किसान संकट का समाधान नजर आ रहा है। जिन्होंने बहु-स्तरीय सब्जी उत्पादन को अपनाया है, उन्हें और भी अधिक लाभ की संभावना नजर आ रही है। इसी प्रखंड के सकरौंहा गांव की सरिता और राजबोहर ऐसी ही समृद्ध सब्जी की खेती के लिए जाते हैं। उन्होंने ऐसी बहुस्तरीय बागवानी को अपनाया है, जिसमें वैज्ञानिक मिश्रित पद्धति से छोटी वाटिका में अनेक सब्जियों को इस तरह उगाया जाता है, जिससे पौधे एक-दूसरे के पूरक, सहायक और रक्षक हों। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सरिता प्राकृतिक कृषि केंद्र का संचालन भी करती हैं, जिसमें गोबर और गोमूत्र की प्राकृतिक खाद और प्राकृतिक फसल रक्षा दवा का अतिरिक्त उत्पादन भी किया जाता है ताकि अन्य किसान आवश्यकता होने पर सस्ती दर पर यहां से खाद्यान्न प्राप्त कर सकें।

राजबोहर, रामनिवास जैसे सब्जी उत्पादक, जो स्वयं बाजार में बिक्री के लिए जाते हैं, बताते हैं कि प्राकृतिक विधि से लगाई गई सब्जी की सहज बिक्री अच्छी कीमत पर हो जाती है और इसे बेचने वालों को बाजार में विशेष पहचान प्राप्त होती है। अपने घरेलू अनुभव के आधार पर महिलाएं बताती हैं कि जब से प्राकृतिक खेती के उत्पाद खा रहे हैं, बीमारियां कम हो गई हैं, स्वास्थ्य बेहतर हो गया है और भोजन परिवार में सभी को अधिक स्वादिष्ट लगता है। पकाने पर ये सब्जियां जल्दी पकती हैं और ईधन की भी बचत होती है। सकरौंहा में भी शुरुआत वासुदेव पोखरा तालाब की सफाई से आरंभ हुई और इस जल-संरक्षण और उपजाऊ मिट्टी की उपलब्धि ने प्राकृतिक खेती के लिए अच्छी नींव तैयार की है। कुछ यही स्थिति गिदुरहा गांव की भी है। यहां के अनुभवी किसान पी एम चरण कहते हैं कि इस कार्यक्रम के कारण ही वे वृद्धावस्था में भी नये सिरे से कृषि की ओर आकर्षित हुए।

निकाय चुनाव में मुस्लिमों पर भरोसा

रोहित कौशिक

भाजपा ने उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव में पहली बार बड़ी संख्या में मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। भाजपा का मानना है कि मुस्लिम समुदाय अब मोदी-योगी सरकार द्वारा किए गए कामों की चर्चा कर रहा है।

यही कारण है कि मुस्लिम समुदाय में सबका साथ-सबका विकास का नारा असर कर रहा है। सवाल है कि भाजपा का मुस्लिम उम्मीदवारों को बड़ी संख्या में निकाय चुनाव में उतारने का दांव क्या वास्तव में कोई गुल खिला पाएगा? निश्चित रूप से भाजपा के इस दांव से कुछ मुस्लिम वोट भाजपा के खाते में जाएंगी लेकिन इसमें अभी संदेह है कि अपेक्षानुरूप मुस्लिम वोट भाजपा को मिल पाएंगी।

गौरतलब है कि भाजपा ने निकाय चुनावों में 395 मुस्लिम उम्मीदवार उतारे हैं। इनमें 6 नगर पालिका परिषदों और 32 नगर पंचायतों के अध्यक्ष प्रत्याशियों के अलावा नगर निगमों के 100 पार्षद प्रत्याशी शामिल हैं। 257 मुस्लिम प्रत्याशी नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के सदस्य पदों के लिए भी चुनाव मैदान में उतारे गए हैं। भाजपा का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना, राशन योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक समुदाय को भी पूरी तरह से पहुंचाया जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में विभिन्न तरह की चिकित्सा सेवाओं का लाभ भी ज्यादातर अल्पसंख्यक समुदाय ही उठा रहा है। पार्टी का मानना है कि इन योजनाओं से मिली सुविधाओं के कारण काफी हद तक अल्पसंख्यक समुदाय की वोट भाजपा को मिलेंगी। भाजपा के इस दावे से अलग अगर मुस्लिम समाज के बीच जाकर मुसलमानों को मिल रही इन सुविधाओं का व्यावहारिक विश्लेषण किया जाए तो पता चलता है कि वास्तव में अल्पसंख्यकों को ये सुविधाएं मिल रही हैं। अगर अल्पसंख्यक समुदाय से यह सवाल किया जाए तो वह स्वयं भी यह स्वीकार करता है कि उन्हें सुविधाएं मिल रही हैं लेकिन भाजपा को वोट देने के सवाल पर ज्यादातर मुसलमान चुख़पी साध लेते हैं।

दरअसल, मुसलमानों को टिकट देने के मामले में भाजपा का रिकार्ड बहुत अच्छा नहीं रहा है। पहले कुछ उग्र भाजपा नेता यह कहते हुए भी सुने गए हैं कि हमें मुसलमानों के वोट ही नहीं चाहिए। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव में भी भाजपा के मुस्लिम उम्मीदवार गायब दिखते हैं। अगर उत्तर प्रदेश के पिछले विधानसभा और लोक सभा चुनावों के भाजपा उम्मीदवारों पर नजर डाली जाए तो वहां भी मुस्लिम उम्मीदवार नदारद थे। अब भाजपा बताने की कोशिश कर रही है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता और बढ़ी है। अगर भाजपा के मुस्लिम उम्मीदवार जीतते हैं, तो समाज में यह संदेश पहुंचाना आसान हो जाएगा कि मुसलमान भी भाजपा के साथ हैं। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपना अस्तित्व बचाने के लिए जूझ रही है, तो दूसरी तरफ बसपा की लोकप्रियता भी घटी है। ऐसे में भाजपा के सामने समाजवादी पार्टी ही बड़ी चुनौती है। भाजपा मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट देकर सपा को बड़ी चुनौती देना चाहती है। हालांकि यह अभी भविष्य के गर्भ में है कि भाजपा सपा को चुनौती देकर मुसलमानों को भाजपा की तरफ खींचती है या नहीं। अभी तक भाजपा सरकार से विभिन्न सुविधाएं मिलने के बावजूद ज्यादातर मुसलमान भाजपा के लिए अच्छी राय नहीं रखते। वे यही सोचते हैं कि भाजपा जानबूझकर समाज में मुसलमानों के खिलाफ नफरत पैदा करने की कोशिश करती है। हालांकि भाजपा विास दिलाने की कोशिश करती रही है कि मुसलमानों को सीएए और एनआरसी के मुद्दे पर डरने की जरूरत नहीं है। लेकिन मुसलमान भाजपा पर विास नहीं कर पा रहे।

वास्तविकता यह है कि मुस्लिम समुदाय भाजपा से अपना जुड़ाव महसूस नहीं करता। हालांकि ऐसा नहीं है कि मुसलमान भाजपा से बिल्कुल नहीं जुड़े हैं। व्यक्तिगत स्वार्थ या फिर किसी अन्य कारणों से बहुत कम मुसलमान भाजपा से जुड़े हैं। भाजपा की रणनीति है कि एक बार मुसलमानों का भाजपा से जुड़ने का प्रतिशत बढ़ जाएगा तो मुस्लिम समुदाय के बड़े तबके को आसानी से भाजपा के साथ जोड़ा जा सकेगा। पार्टी अच्छी तरह जानती है कि भले ही वह मुसलमानों को अपना वोटर न माने लेकिन भविष्य में बदली हुई परिस्थितियों में विभिन्न तरह की चुनौतियां बढ़ेंगी। ऐसे में अगर मुस्लिम वोटर भाजपा के साथ होगा तो इन चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकेगा। वैसे भी अब भाजपा हर वर्ग और समुदाय में अपनी पैठ बनाने की कोशिश कर रही है।

पिछले कुछ चुनावों में देखा गया है कि भाजपा को दलित समुदाय के वोट भी अच्छी खासी मात्रा में मिले। इसलिए अगर वह मुस्लिम वोटरों को साध लेगी तो एक तीर से दो निशाने लग जाएंगे। एक तो मुसलमानों से नफरत करने के आरोप का दाग धुल जाएगा; दूसरा, इस प्रक्रिया से भाजपा की ताकत भी बढ़ेगी। हालांकि मुस्लिम वोटरों को साधना व्यावहारिक रूप से इतना आसान नहीं है। देखना है कि निकाय चुनाव में भाजपा की बदली हुई रणनीति सफल हो पाती है, या नहीं।

पंचतत्वों पर आधारित खानपान रखे स्वस्थ

पंचतत्व अर्थात् पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश। हमें अपने खानपान में प्रतिदिन इन पांचों तत्वों का भी सेवन करना चाहिए। ऐसा होने पर हम अधिकाधिक स्वस्थ व सक्रिय रह सकेंगे।

वायु - सांस के माध्यम से हर प्राणी वायु ग्रहण करता है। बाकी तत्वों को कुछ समय या कुछ दिन के लिए छोड़ा जा सकता है, पर वायु को नहीं। जो लोग अनशन या उपवास करते हैं, वे भी अन्न, फल, सब्जी या जल आदि छोड़ देते हैं, पर वायुसेवन नहीं। एक समय आहार लेने वाले संन्यासी भी वायुसेवन तो प्रतिक्षण करते ही हैं। अर्थात् पंचतत्व में से वायु प्राणियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

यह वायु व्यक्ति को शुद्ध एवं प्राकृतिक रूप में पर्याप्त मात्रा में मिले, यह भी आवश्यक है। जो लोग बड़े शहरों में या उद्योगों के पास रहते हैं, उन्हें शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इसीलिए इन दिनों नये-नये रोग लगातार बढ़ रहे हैं। अब तो बड़े नगरों में शुद्ध ऑक्सीजन के बूथ खुलने लगे हैं, जहां पैसे देकर व्यक्ति दस-पन्द्रह मिनट शुद्ध प्राणवायु ले सकता है। जैसे आजकल हर व्यक्ति अपने साथ साफ पानी की बोतल रखने लगा है, लगता है कुछ समय बाद लोग प्राणवायु के छोटे सिलेंडर भी साथ लेकर चला करेंगे। ताजी और शुद्ध प्राणवायु प्राप्त करने की निःशुल्क विधि प्रातःकालीन भ्रमण है। सूर्योदय होने पर पेड़ों द्वारा रात में उत्सर्जित कार्बन डायआक्साइड वायुमंडल में चली जाती है। ऐसे शीतल और शांत वातावरण में अकेले या सपरिवार घूमना शुद्ध वायु ग्रहण करने का सबसे सरल उपाय है।

केवल घूमना ही नहीं, तो इस समय कुछ आसन, व्यायाम और प्राणायाम करना भी बहुत लाभदायक है। सुबह की ही तरह शाम का भ्रमण भी बहुत लाभकारी है। इन दोनों समय पर दिन और रात का मिलन होता है। इसके सदुपयोग से हम अपने शरीर तथा मन को स्वस्थ रख सकते हैं। बच्चों और युवाओं को तो शाम के समय पढ़ने की बजाय खेलना ही चाहिए।

चाहे कोई स्वयं वाहन न चलाता हो, पर प्रदूषित वायु सेवन करना तो उसकी भी मजबूरी ही है। इसलिए जहां सार्वजनिक यातायात व्यवस्था का बहुत अच्छा होना जरूरी है, वहां दस-बीस कदम जाने के लिए वाहन निकालने की आदत भी छोड़नी होगी। पेड़ों को कटने से बचाकर तथा परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक पेड़ लगाकर हम प्रदूषण नियंत्रण में सहयोग दे सकते हैं।

जल- वायु की ही तरह जल भी व्यक्ति की प्राथमिक आवश्यकता है। किसी समय बहता पानी निर्मला कहकर नदियों का जल सर्वाधिक शुद्ध माना जाता था, पर अब नगरों के सीवर, कारखानों के अपशिष्ट, समय-समय उसमें विसर्जित की जाने वाली रासायनिक रंगों से पुती मूर्तियों तथा अन्य कूड़े करकट के कारण नदियां आचमन योग्य भी नहीं रह गयी हैं। अब तो सब जगह कुछ घंटों के लिए सरकारी पानी मिलता है। वह कितना शुद्ध होता है, कहना कठिन है। पानी साफ और भरपूर मिले, इसके लिए निजी बोरिंग कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिनके लिए यह संभव नहीं है, उन्होंने भी घरों में फिल्टर लगा लिये हैं। इनसे एक लीटर पानी साफ होने के चक्कर में चार लीटर पानी नाली में बह जाता है। शहरीकरण का अर्थ ही है, बिजली और पानी का अत्यधिक प्रयोग। अतः जल का स्तर लगातार नीचे जा रहा है।

विद्वानों का मत है कि अगला विश्व युद्ध जल के कारण होगा। इसका सत्य तो भविष्य बताएगा पर नलों पर हर दिन डिब्बे और कनस्तर लिये लोगों को झगड़ते हुए कोई भी देख सकता है। मंगल आदि ग्रहों पर जाने वाले यान भी वहां सबसे पहले पानी की ही तलाश कर रहे हैं। इसके बाद भी लोगों का ध्यान इस ओर नहीं है। जो कार दो बाल्टी पानी में धोई जा सकती है, उसे दो हजार लीटर साफ पानी से धोते हुए लोग प्रायः मिल जाते हैं। हम वर्षा जल का संरक्षण कर तथा पानी को व्यर्थ न जाने देकर भी इस दिशा में अपना व्यक्तिगत सहयोग दे सकते हैं। हम साफ पानी पिएं, यह तो आवश्यक है ही पर कितना पिएं, इस बारे में अलग-अलग मत हैं। फिर भी एक व्यस्क व्यक्ति को दिन भर में आठ-दस गिलास पानी तो पीना ही चाहिए। सुबह उठकर कुल्ला-मंजन के बाद तांबे के साफ पात्र में रखा पानी भरपेट पीना बहुत लाभ देता है। तांबा जल की अधिकांश अशुद्धियां दूर कर देता है। सर्दियों में पानी को गुनगुना कर लें, तो और अच्छा रहेगा।

आकाश- आकाश की पहचान खालीपन या शून्यता है। घटाकाश और मठाकाश जैसी कल्पनाएं इसी में से आई हैं। आकाश में कोई भी चीज फेकें, खाली होने के कारण वह मना नहीं करता। वायु और अंतरिक्ष यान इसीलिए आकाश में निर्द्वन्द उड़ते हैं। किसी पात्र के खाली होने का अर्थ है कि उसमें आकाश तत्व विद्यमान है पर जब उसमें कोई वस्तु डालते हैं, तो वह हट जाता है। ऐसी शून्यता हम अपने पेट को बिल्कुल खाली रखकर प्राप्त कर सकते हैं। अतः प्रातः शौचादि से निवृत्त होने के बाद लगभग दो घंटे तक पेट को अवकाश दें। इससे जहां भोजन पचाने वाली इंद्रियों को आराम तथा अपनी टूट-फूट ठीक करने का समय मिलेगा, वहां हमें आकाश तत्व भी प्राप्त होगा। व्रत और उपवास आकाश तत्व की प्राप्ति का अवसर कुछ अधिक समय तक प्रदान करते हैं। इनका भरपूर उपयोग करना चाहिए पर इस नाम पर दिन में कई बार पेट में गरिष्ठ चीजें ठूंसते रहना शुद्ध पाखंड है।

पृथ्वी- पृथ्वी हमें अन्न, दाल और सब्जियां आदि देती है। अतः इनके सेवन से हमें पृथ्वी तत्व की प्राप्ति होती है पर इन्हें कच्चा नहीं खा सकते। इन्हें आग पर पकाकर तथा आवश्यकतानुसार कुछ अन्य मिर्च-मसाले डालकर प्रयोग किया जाता है। इनका सेवन कितना और कितनी बार करें, इसका कोई मापदंड नहीं है। शारीरिक परिश्रम करने वाले किसान या मजदूर तथा कार्यालय में बैठकर काम करने वाले की आवश्यकता अलग-अलग होगी। उन्हें उसी अनुसार इनका सेवन करना चाहिए। ऐसा न होने पर जहां एक ओर तोंद वाले, तो दूसरी ओर दुबले-पतले लोग सर्वत्र घूमते मिलते हैं।

अग्नि-
अग्नि का स्रोत सूर्य है। सर्दियों में तो सीधे धूप में लेटना या बैठकर काम करना अच्छा लगता है। गर्मियों में भी अपने काम के सिलसिले में घूमते-फिरते धूप लगती रहती है। इससे अग्नि तत्व अपने आप ही मिल जाता है। जो लोग दिन भर वातानुकूलित वातावरण अर्थात् एसी वाले घर, कार्यालय और कार में रहते हैं, उनके शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इसलिए थोड़े से परिश्रम या मौसम बदलने मात्र से ही ये लोग बीमार होकर बिस्तर पकड़ लेते हैं। भीषण गर्मियों में जहां लू से बचना आवश्यक है, वहां धूप से डरना भी अनुचित है।

जहां तक खानपान की बात है, तो सूर्य की ऊर्जा से पके हुए फल और सलाद आदि के सेवन से अग्नि तत्व भरपूर मात्रा में प्राप्त होता है पर इनका सेवन सूर्यकाल में ही करना चाहिए। अर्थात् सूर्यास्त के बाद इन्हें खाना ठीक नहीं है। इसी तर्ज पर कुछ लोग यह भी कहते हैं कि पृथ्वी तत्व वाले जिन पदार्थों को खाने से पूर्व आग पर चढ़ाना पड़ता है, उन्हें सूर्य की उपस्थिति में नहीं खाना चाहिए। यद्यपि बहुत से लोग अपनी धार्मिक आस्था या वृद्धावस्था के कारण सूर्यास्त के बाद अन्न नहीं खाते। उनका कहना है कि सूर्यास्त के बाद शरीर की पाचनक्रिया मंद हो जाती है। अतः उस समय भारी भोजन ठीक नहीं है। विचार भिन्नता के कारण इस विषय को स्वतंत्र छोड़ देना ही उचित है। ये कुछ ऐसी बातें हैं, जिन्हें समय-समय पर कुछ बुजुर्गों के मुंह से सुना है। इसमें से कुछ का प्रयोग करने से लाभ भी हुआ है। यद्यपि आज की भागदौड़ वाले जीवन में सब नियमों का पालन संभव नहीं होता। फिर भी जितना हो सके, उतना पालन करके देखें।

पेट दर्द के घरेलू उपचार

अधिकतर बीमारियों की वजह होती है असंयमित खान-पान। गलत खान-पान के कारण कभी-कभी पेट में दर्द होने लगता है। आमतौर पर पेट दर्द का एक मुख्य कारण अपच, मल सूखना, गैस बनना यानी वात प्रकोप होना और लगातार कब्ज बना रहना भी है। पेट दर्द को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय हैं, जो दर्द तो दूर करते हैं, साथ ही साथ पेट की क्रियाओं को भी ठीक करते हैं।

- पेट दर्द मे हींग का प्रयोग लाभकारी होता है। 2 ग्राम हींग थोड़े पानी के साथ पीसकर पेस्ट बनाएं। नाभी पर और उसके आस-पास यह पेस्ट लगाएं।
- अजवाइन को तवे पर सेक लें और काले नमक के साथ पीसकर पाउडर बनाएं। 2-3 ग्राम गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लेने से पेट का दर्द दूर होता है।
- जीरे को तवे पर सेकें और 2-3 ग्राम की मात्रा गर्म पानी के साथ दिन में 3 बार लें। इसे चबाकर खाने से भी लाभ होता है।
- पुदीने और नींबू का रस एक-एक चम्मच लें। अब इसमें आधा चम्मच अदरक का रस और थोड़ा सा काला नमक मिलाकर उपयोग करें। दिन में 3 बार इस्तेमाल करें, पेट दर्द में आराम मिलेगा।
- सूखी अदरक मुंह में रखकर चूसने से भी पेट दर्द में राहत मिलती है।
- बिना दूध की चाय पीने से भी कुछ लोग पेट दर्द में आराम महसूस करते हैं।
- अदरक का रस नाभी स्थल पर लगाने और हल्की मालिश करने से पेट दर्द में लाभ होता है।
- अगर पेट दर्द एसिडिटी से हो रहा हो तो पानी में थोड़ा सा मीठा सोडा डालकर पीने से फायदा होता है।
- पेट दर्द निवारक चूर्ण बनाएं। इसके लिए भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, सौंठ, लहसुन, धनिया, हींग, सूखी पुदीना पत्ती सबकी बराबर मात्रा लेकर बारीक चूर्ण बनाएं। इसमें थोड़ा सा काला नमक भी मिलाएं। खाने के बाद एक चम्मच थोड़े से गर्म पानी के साथ लें। पेट दर्द में आशातीत लाभकारी है।
- एक चम्मच शुद्ध घी में हरे धनिये का रस मिलाकर लेने से पेट की व्याधि दूर होती है।
- अदरक का रस और अरंडी का तेल प्रत्येक एक-एक चम्मच मिलाकर दिन में 3 बार लेने से पेट दर्द दूर होता है।
- अदरक का रस एक चम्मच, नींबू का रस 2 चम्मच लेकर उसमें थोड़ी सी शक्कदर मिलाकर प्रयोग करें। पेट दर्द में लाभ होगा। दिन में 2-3 बार ले सकते हैं।
- अनार पेट दर्द मे फायदेमंद है। अनार के बीज निकालें। थोड़ी मात्रा में नमक और काली मिर्च का पाउडर डालें। और दिन में दो बार लेते रहें।
- मेथी के बीज पानी में भिगोएं। पीसकर पेस्ट बनाएं। और इस पेस्ट को 200 ग्राम दही में मिलाकर दिन में दो बार लेने से पेट के विकार नष्ट होते हैं।
- इसबगोल के बीज दूध में 4 घटे भिगोएं। रात को सोते समय लेते रहने से पेट में मरोड़ का दर्द और पेचिश ठीक होती है।
- सौंफ में पेट का दर्द दूर करने के गुण होते है। 15 ग्राम सौंफ रात भर एक गिलास पानी में भिगोएं। छानकर सुबह खाली पेट पीयें। बहुत गुणकारी उपचार है।
- आयुर्वेद के अनुसार हींग दर्द निवारक और पित्तवर्द्धक होती है। छाती और पेट दर्द में हींग का सेवन बेहद लाभकारी होता है। छोटे बच्चों के पेट में दर्द होने पर एकदम थोड़ी सी हींग को एक चम्मच पानी में घोलकर पका लें। फिर बच्चे की नाभी के चारों लगा दें। कुछ देर बाद दर्द दूर हो जाता है।
- नींबू के रस में काला नमक, जीरा, अजवायन चूर्ण मिलाकर दिन में तीन बार पीने से पेट दर्द से आराम मिलता है।

आंखों पर दें ध्यान

आंखें अनमोल हैं, इसलिए इनकी सेहत का बदलते मौसम के अनुसार ध्यान रखना आवश्यक है

- आंखों में सूखापन की समस्या सर्दियों में बढ़ सकती है। सूखेपन से बचाव के लिए डॉक्टर के परामर्श से आर्टीफिशियल टीयर ड्रॉप का इस्तेमाल करें।
- इस मौसम में एलर्जी की शिकायत भी सभव है। इससे बचने के लिए दिन में दो बार आंखों को साफ पानी से धोएं। इन्हें मलें या रगड़ें नहीं।
- चेहरे के साथ आंख के आसपास व पलक की त्वचा को सूखेपन से बचाएं, लेकिन ध्यान रहे कि कोई भी मॉइश्चराइजर या कोल्ड क्रीम आंख के अंदर न जाए।
- काला चश्मा लगाकर ही धूप में बैठें।
- नेत्रों को चश्मे के जरिये ठंडी हवाओं से बचाएं।

मुझे नींद नहीं आती, आपने अक्सर लोगों को यह शिकायत करते सुना होगा। नींद एक जैविक प्रक्रिया है। हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बहुत ही जरूरी है। पर्याप्त नींद नहीं लेने से हमारी कार्यक्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है। अनिद्रा के शिकार लोगों को अक्सर दिन में इधर-उधर झपकियां लेते देखा जा सकता है।

होम्योपैथी का सहारा ले सकते हैं

अनिद्रा के रोगी

अनिद्रा आजकल एक महामारी की तरह फैलती जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक आज विश्व में हर पांचवां व्यक्ति अनिद्रा का शिकार है। अनिद्रा का अर्थ है नींद में व्यवधान, नींद उचटना या कम नींद आना। यह दो प्रकार की होती है। पहले प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों से जिन्होंने कभी अच्छी, चैन की नींद का आनंद नहीं लिया हो तथा ये लोग तनाव, घबराहट या अन्य किसी असहनीय पीड़ा से पीड़ित न हो। पहली प्रकार की अनिद्रा से पीड़ित लोगों की नाड़ी की गति तेज तथा शरीर का तापमान अधिक होता है। इनकी बाह्य धमनियां प्रायः संकुचित होती हैं। ये लोग प्रायः हिलते-डुलते रहते हैं। दूसरे प्रकार की अनिद्रा का संबंध उन लोगों की अनिद्रा से है जो किसी न किसी बीमारी से पीड़ित होते हैं जैसे पेट में दर्द, पैरों में बेचैनी, थकान, स्पाइनल कॉर्ड में दर्द आदि। इन बीमारियों से नींद की प्रारंभिक अवस्था में बाधा पहुंचती है।

दूसरे प्रकार की अनिद्रा साइकेट्रीक, साइकोसिस तथा साइकोन्यूरोसिस के मरीजों में आमतौर पर देखी जा सकती है। डर तथा चिंता भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं। डिप्रेशन तथा मेनियक डिप्रेशन से भी अनिद्रा की शिकायत हो सकती है इससे सोने पर एक बार तो नींद आ जाती है परन्तु सुबह जल्दी आंख खुल जाती है तथा बाद में रोगी सो नहीं पाता। सन्निपात तथा कोई काल्पनिक डर भी अनिद्रा के कारण हो सकते हैं।

चिकित्सा की होम्योपैथिक शाखा के अंतर्गत अनेक ऐसी दवाईयां हैं जिनका प्रयोग अनिद्रा के उपचार के लिए किया जाता है। मरीज के लक्षणों के आधार पर कोई भी दवा उसे दी जा सकती है।

आर्सेनिक एलबम 30- यह दवा उन मरीजों को दी जाती है जो किसी मानसिक बेचैनी के कारण करवटें बदलते रहते हैं। वह शारीरिक रूप से इतना कमजोर होता है कि उसका चलना-फिरना भी मुश्किल होता है। मरीज को निरंतर मृत्यु का भय बना रहता है। वह इलाज के प्रति निराश हो चुका होता है। ऐसे रोगी को बार-बार थोड़े पानी की प्यास लगती रहती है।

केनाबिस इंडिका 30- यह उन रोगियों के लिए उपयुक्त होती है जो भय, भ्रांति तथा मानसिक दुर्बलता के शिकार होते हैं। ऐसे रोगी अक्सर मरे हुए लोगों को सपने में देखते हैं। उन्हें लगता है कि वह पागल हो जाएंगे। ऐसा रोगी लगातार बोलता रहता है और सिर हिलाता रहता है। अक्सर बोलते-बोलते वह यह भी भूल जाता है कि उसे आगे क्या बोलना है। विनम्र स्वभाव का व्यक्ति यदि उद्दण्ड स्वभाव हो जाए तो उसे यह दवा दी जाती है।

हायोसाइमस नाइगर 200- इसमें मरीज बहुत बातूनी और ईर्ष्यालु होता है। इस प्रकार का रोगी बहुत डरता है। उसे हर बात में डर लगता है जैसे अकेले रहने का डर, विष खिलाने का डर, किसी षड़यंत्र का डर आदि। बच्चों में नींद न आना, नींद आते ही डर जाना, बिस्तर से निकलने या भागने की कोशिश करना जैसे लक्षण होने पर यह दवा दी जाती है।

कैफिया क्रूडा 200- यह दवा उन रोगियों के लिए उचित है जिन्हें रात को नींद नहीं आती। वे अक्सर भविष्य के बारे में चिंता करते रहते हैं। ऐसे रोगी अचानक ही हंसने या रोने लगते हैं ऐसे रोगियों को बहुत अधिक चिंता, बातचीत या मानसिक परिश्रम करने में सिर में तेज दर्द होता है।

एकोनाइटम नैपेलस 30- इसमें रोगी अक्सर बैचेन रहता है जिससे उसे नींद नहीं आती। उसे इतना डर लगता है कि वह बेहोश भी हो जाता है। स्थिति गिंभीर होने पर रोगी को मरने का डर लगने लगता है। रोगी अक्सर डर के कारण घर से नहीं निकलता, भीड़भाड़ वाली जगहों से भी बचता है। उसे बार-बार पानी की प्यास भी लगती है।

इग्नेशिया अमारा 200- यह दवा उन रोगियों को दी जाती है जो शोक, भय या दुख की वजह से एकाएक बेहोश हो जाते हैं। उसे तम्बाकू या धुंआ सहन नहीं होता। उसके सिर में भी दर्द होता है। प्रेम या काम में निराशा से उत्पन्न अनिद्रा के लिए भी यही दवा कारगर होती है।

पोर्स फ्लोरा इन्कार्नेटा (क्यू)- वृद्धों तथा बच्चों में अनिद्रा दूर करने के लिए यह दवा कारगर सिद्ध होती है। यह दवा उन रोगियों की दी जाती है। जिन्हें तनाव और अत्यधिक मानसिक कार्य के कारण नींद नहीं आ पाती या सिर दर्द और आंखों में दर्द के कारण नींद नहीं आती।

किसी भी दवा के चुनाव से पहले रोगी के लक्षण पहचानना जरूरी होता है तथा किसी भी दवा के प्रयोग से पहले किसी विशेषज्ञ से सलाह लेना भी जरूरी होता है।

नीतीश-तेजस्वी सरकार को पटना हाईकोर्ट से झटका, जातीय जनगणना पर लगाई रोक

हाजीपुर, 04 मई (का.सं.)। पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार द्वारा किये जा रहे जाति आधारित गणना पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। अदालत मामले की सुनवाई अब तीन जुलाई को करेगी। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के विनोद चंद्रन और जस्टिस मधुरेश प्रसाद की खंडपीठ ने कई याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सरकार को जाति आधारित सर्वेक्षण को तुरंत रोकने और इस सर्वेक्षण अभियान के तहत अबतक एकत्र किए गए आंकडों को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया।

पीठ ने सरकार को यह भी निर्देश दिया कि मामले में अंतिम आदेश पारित होने तक इन आंकड़ों को किसी के भी साथ साझा नहीं किये जायें। अदालत मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख तीन जुलाई तय की है। अदालत ने कहा, हमारी राय है कि याचिकाकर्ताओं ने राज्य सरकार द्वारा जाति आधारित सर्वेक्षण की प्रक्रिया को जारी रखने के खिलाफ तथा आंकडे की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया है, जिसका सरकार की ओर से विस्तृत समाधान किया जाना चाहिए।

बिहार के महाधिवक्ता प्रशांत कुमार शाही ने अपने अधिवक्ताओं की टीम के साथ सरकार की ओर से बहस की जबकि याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता अभिनव श्रीवास्तव, धनंजय कुमार तिवारी और अन्य ने किया। बहस के दौरान याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण के फैसले का हवाला देते हुए अदालत को बताया गया कि जाति आधारित गणना में ट्रांसजेंडरों को एक जाति के रूप में दर्शाया गया है, जबकि ऐसी कोई जाति श्रेणी वास्तव में मौजूद नहीं है।

हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि ट्रांसजेंडरों को जाति के रूप में वर्गीकृत नहीं किया जाएगा पर अधिसूचना में इसे जाति की सूची में रखा गया है । अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया हमारी राय है कि राज्य के पास जाति आधारित सर्वेक्षण करने की कोई शक्ति नहीं है, जिस तरह से यह किया जा रहा है, जो एक जनगणना के समान है, इस प्रकार संघ की विधायी शक्ति पर अतिक्रमण होगा।

अदालत ने राज्य विधानसभा में विभिन्न दलों के नेताओं के साथ सर्वेक्षण के आंकड़े साझा करने की सरकार की मंशा के बारे में कहा कि यह निश्चित रूप से निजता के अधिकार का सवाल है, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने जीवन के अधिकार का एक पहलू माना है। पीठ ने यह स्पष्ट किया कि राज्य एक सर्वेक्षण की आड़ में एक जातिगत जनगणना करने का प्रयास नहीं कर सकता है, खासकर जब राज्य के पास बिल्कुल विधायी क्षमता नहीं है और उस स्थिति में न ही भारत के संविधान के अनुच्छेद 162 के तहत एक कार्यकारी आदेश को बनाए रखा जा सकता है।

अदालत ने कहा कि जनगणना और सर्वेक्षण के बीच आवश्यक अंतर यह है कि जनगणना सटीक तथ्यों और सत्यापन योग्य विवरणों के संग्रह पर विचार करता है। सर्वेक्षण का उद्देश्य आम जनता की राय और धारणाओं का संग्रह और उनका विश्लेषण करना है । इसने कहा कि एकत्र किए गए आंकडे के विश्लेषण में दोनों परिणाम जो जनगणना के मामले में अनुभवजन्य हैं जबकि सर्वेक्षण में ज्यादातर तार्किक निष्कर्ष होते हैं। बिहार राज्य द्वारा वर्तमान कवायद को केवल सर्वेक्षण के नाम पर जनगणना करने के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है।

हाईकोर्ट ने यह भी माना कि

राज्य सरकार द्वारा जारी अधिसूचना इस तरह के सर्वेक्षण को करने के लिए किसी भी प्रत्यक्ष वस्तु का खुलासा नहीं करती है। यह भी तर्क दिया जा रहा है कि आंकडे. सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य द्वारा लागू कोई उपाय भी नहीं है, भले ही आंकड़ों का संग्रह स्वैच्छिक आधार पर हो ।

पीठ ने कहा कि ऐसे आंकड़ों का कोई सार्वजनिक उपयोग नहीं हो सकता है, जो फिर से किसी व्यक्ति की निजता के अधिकार का उल्लंघन करेगा, भले ही ये स्वेच्छा से दिये गये हों।

बिहार में जाति सर्वेक्षण का पहला दौर 7 से 21 जनवरी के बीच आयोजित किया गया था। दूसरा दौर 15 अप्रैल को शुरू हुआ था और 15 मई तक जारी रहने वाला था। उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाएं सामाजिक संगठन और कुछ व्यक्तियों द्वारा दायर की गई थी, जो पिछले महीने उच्चतम न्यायालय गये थे।

अदालत का निर्णय आने से पूर्व आज दिन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी सरकार द्वारा की जा रही जाति आधारित गणना को लेकर कुछ हलकों से विरोध पर नाराज़गी जताई थी। नीतीश ने पटना हाईकोर्ट में जाति सर्वेक्षण को चुनौती देने वाली एक याचिका पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा था कि याचिकाकर्ताओं के साथ-साथ सरकार ने भी अपनी दलीलें रखी हैं। अब हम फैसले का इंतजार कर रहे हैं। पता नहीं क्यों इसका विरोध हो रहा है। इससे तो पता चलता है कि लोगों को मौलिक चीज की समझ नहीं है।

सीएम नीतीश कुमार ने नवनिर्मित पुलिस भवनों का किया उद्घाटन

पटना, 04 मई (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 342.31 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित विशेष सुरक्षा दल भवन पटना, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय गया, बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग, केन्द्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) एवं 74 थाना भवन सहित कुल 174 पुलिस/गृह रक्षा वाहिनी/अग्निशमन भवनों का उद्घाटन किया। साथ ही 684.17 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले 108 थाना भवनों सहित कुल 150 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले 5, हार्डिंग रोड स्थित नवनिर्मित बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग के कार्यालय भवन तथा केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) कार्यालय के भवन का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया।

उद्घाटन के पश्चात् मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित भवन का तथा परिसर का निरीक्षण भी किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने डॉ. श्रीकृष्ण सिंह पथ स्थित नवनिर्मित विशेष सुरक्षा दल केंद्र में रिमोट के माध्यम से 173 पुलिस/गृह रक्षा वाहिनी/अग्निशमन भवनों का उद्घाटन तथा 150 पुलिस भवनों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने विशेष सुरक्षा दल के नवनिर्मित प्रशासनिक भवन एवं आवासीय परिसर का निरीक्षण भी किया। मुख्यमंत्री ने परिसर में पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने पहले कहा था कि जिन थानों का अपना भवन नहीं है उन थानों के भवन का शीघ्र निर्माण कराएं। बड़े स्तर पर थाना के भवनों का निर्माण कराया गया है। जो भी बचे हुए चार थाने हैं उसके भवनों का भी निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराएं। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम पहले बंद हो रहा था उसको हमने वर्ष 2007 में शुरू करवा दिया। यह बेहतर ढंग से कार्य कर रहा है। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम द्वारा कई अच्छी बिल्डिंग बनाई गई है। जो निर्माणाधीन भवन हैं, उसका निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करें। बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम को बेहतर ढंग से कार्य करते रहना है। नवनिर्मित भवनों के मेंटेनेंस पर भी ध्यान बनाए रखना है। इसके लिए अगर और अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आवश्यकता हो तो उसकी भी बहाली कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सभी थानों में लैंडलाइन की व्यवस्था को दुरुस्त कराया है ताकि पता चल सके कि पुलिस अपनी ड्यूटी में तैनात हैं कि नहीं। सभी थानों में लैंडलाइन हमेशा फंक्शनल रखें। पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर स्थिति की जानकारी लेते रहें। लोगों की सुरक्षा के लिए रात-दिन पेट्रोलिंग करें और देखते रहें कि कहीं कोई अपराध नहीं करे। उन्होंने कहा कि हम किसी दिन औचक निरीक्षण में थाना भी पहुंचेंगे। पदाधिकारियों की ड्यूटी का भी हम निरीक्षण करेंगे। अगर किसी आरोपी को पकड़ते हैं तो उसको थाने में ठीक ढंग से रखें। उन्होंने कहा कि हमने जितना सुझाव दिया है उस पर अमल कीजिए और अच्छे से काम कीजिए। जिसको जो काम दिया गया है वो अपना काम ईमानदारी से करें। अगर कोई गड़बड़ करता है तो उस पर कार्रवाई करें।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री का पुलिस महानिदेशक-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम विनय कुमार ने हरित पौधा एवं प्रतीक चिह्न भेंटकर स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम की स्मारिका का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के दौरान बिहार पुलिस भवन निर्माण निगम के कार्यों पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

भोजपुरी गायक निर्माणाधीन घर के छत से गिरे, हुई मौत

सासाराम, 04 मई (नि.सं.)। रोहतास भोजपुरी क्षेत्र में उभरते गायक पवन सिंह की मौत गुरुवार को निर्माणाधीन भवन के छत से गिर कर हो गई। दुर्घटना डेहरी नगर थाना क्षेत्र के बीएमपी के पास घटी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पवन सिंह अपने निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे थे। इस क्रम में दूसरी मंजिल पर कुछ काम करते हुए अचानक संतुलन बिगड़ा और वो नीचे गिर गए। मौके पर जुटे लोग घायल गायक को लेकर एक निजी अस्पताल पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पवन सिंह 28 की मौत की सुचना से कोहराम मच गया। उनके पिता महेंद्र सिंह बीएमपी से सेवानिवृत हुए थे। सेवानिवृति के बाद वो बीएमपी के पास की कॉलोनी में मकान बना रहे थे। पवन इसी निर्माणाधीन मकान पर गए थे। जिसकी छत से गिरकर उनकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया।

जबकि दूसरी घटना इंद्रपुरी थाना क्षेत्र की है। जहां बुधवार देर शाम सड़क दुर्घटना में दुकानदार की मौत हो गई। मृतक की पहचान हरेंद्र यादव 34 साल के रूप में की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरेंद्र यादव अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहा था। इस क्रम में एक तेज रफ्तार बाइक ने उसे टक्कर मार दी। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद बाइक सवार गाड़ी छोड़ भाग गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल, सासाराम भेज दिया एवं बाइक को जब्त कर लिया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया।परिजनों द्वारा गुरुवार को सोन तट पर अंतिम संस्कार किया गया। मृतक की दो छोटी बेटियां हैं। वो परिवार में अकेला कमाने वाले था। उसकी मौत से परिवार पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

मनीष कश्यप को कोर्ट से अभी नहीं मिली राहत, रिमांड अवधि 17 मई तक बढ़ाई गई

पटना, 04 मई (का.सं.)। बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप की न्यायिक हिरासत को फिर 14 दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है। अब मनीष कश्यप से 17 मई तक न्यायिक हिरासत में मदुरै सेंट्रल जेल में रहना होगा। तमिलनाडु पुलिस की ओर से मनीष कश्यप से मजदूरों की कथित पिटाई से संबंधित मामले में पूछताछ भी हो चुकी है।

मनीष कश्यप पर कानून का शिकंजा कसता जा रहा है। पिछले महीने उसके खिलाफ नेशनल सिक्यूरिटी एक्ट (एनएसए) के तहत भी केस दर्ज किया गया। बताया गया है कि नया केस दर्ज होने के बाद मनीष को लंबे समय तक जेल में रहना पड़ सकता है। इस केस में 3 महीने तक जमानत नहीं मिलने की संभावना नहीं है। उसे एक साल तक संदेह के आधार पर हिरासत में रखा जा सकता है। बताया गया है कि किसी व्यक्ति से देश की सुरक्षा को खतरे की आशंका पर एनएसए एक्ट के तहत केस दर्ज किया जाता है।

मनीष कश्यप अभी तमिलनाडु पुलिस की गिरफ्त में हैं। तमिलनाडु में उत्तर भारतीय मजदूरों के साथ कथित दुर्व्यवहार और हिंसा मामले से संबंधित वीडियो वायरल करने के आरोप में मनीष कश्यप को गिरफ्तार किया गया है। बिहार पुलिस की ओर से अनुसंधान और पूछताछ के बाद अब ट्रांजिट रिमांड पर मनीष कश्यप को तमिलनाडु ले जाया गया है। मनीष कश्यप के खिलाफ बिहार के अलावा तमिलनाडु में भी केस दर्ज हैं। तमिलनाडु जाने के पहले बिहार सरकार भी कथित फेक वीडियो में मनीष कश्यप से लंबी पूछताछ कर चुकी है। मनीष कश्यप के घर जब पुलिस कुर्की जब्ती के लिए पहुंची थी, तो उसने 18 मार्च को बेतिया के जगदीशपुर ओपी पहुंचकर सरेंडर किया था।

5 लाख का इनामी नक्सली रामबाबू राम गिरफ्तार, की थी सब इंस्पेक्टर की हत्या

छपरा, 04 मई (एजेन्सी)। पटना से आई एसटीएफ की टीम ने अभियान चलाकर मोस्ट वांटेड नक्सली रामबाबू राम उर्फ राजन उर्फ प्रहार को गिरफ्तार किया है। रामबाबू राम पर बिहार सरकार ने 5 लाख रुपए का इनाम घोषित किया था। इसके बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं किया जा सका था। रामबाबू राम प्रतिबंधित नक्सल संगठन भाकपा (माओवादी) का सक्रिय सदस्य है। ये पश्चिमी जोनल कमिटी (नार्थ बिहार) का सचिव है। इस इनामी नक्सली को पकड़ने के लिए बिहार एसटीएफ की टीम ने सारण और मुजफ्फरपुर जिले के बीच दियारा इलाके में बड़ा ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने दो एके-47 राइफल और गोलियां भी बरामद की हैं। टीम ने इस कुख्यात के साथी और संगठन के जोनल कमांडर रामबाबू पासवान उर्फ धीरज को भी गिरफ्तार किया है। इन दोनों नक्सलियों के पकड़े जाने की पुष्टि गुरुवार को बिहार एसटीएफ की तरफ से की गई है। सूत्रों की माने तो दियारा इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है।

मिली जानकारी के मुताबिक, रामबाबू राम पर 40 से अधिक केस दर्ज है। यह पूर्वी चंपारण के मधुबन में सक्रिय रहा है। रामबाबू राम का आपराधिक इतिहास 22 साल से अधिक पुराना है। साल 2019 में इसने चकरबंधा में सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन के एक सब इंस्पेक्टर की हत्या कर दी थी। वैसे इस कुख्यात नक्सली के उपर 40 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज है। पकड़े जाने के बाद इससे पूछताछ जारी है। इसके संगठन और उससे जुड़े नक्सलियों के बारे में जानकारी मिलने की संभावना है। इस मामले में खास बात यह है कि नक्सलियों के पास से दो एके-47 राइफल और कारतूस भी बरामद किया गया है। इसे पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

सारण एसपी गौरव मंगला ने बताया कि जिले में भी रामबाबू राम प्रहार पर एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसटीएफ ने यह अभियान काफी गुप्त तरीके से चलाया था। उन्होंने बताया कि दोनों गिरफ्तारी काफी महत्वपूर्ण हैं। इससे नक्सलियों के मनोबल पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

'गलत बात, बिहारियों को बारे में नहीं बोलनी चाहिए', सीएम नीतीश ने दी प्रमोद सावंत को नसीहत

पटना, 04 मई (का.सं.)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के बिहारी रिमार्क्स पर सधी प्रतिक्रिया दी। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कहा था कि 90 प्रतिशत अपराध के लिए जिम्मेवार यूपी-बिहार के प्रवासी मजदूर हैं। इसी पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पटना में प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें नहीं बोलनी चाहिए। सोच-समझकर बयान देना चाहिए।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत के बिहारी रिमार्क्स पर नीतीश कुमार ने कहा कि 'बिहार के नेताओं का रिएक्शन आप जानते ही है। हम देख रहे हैं। उसके बाद वो (गोवा सीएम) क्या बोल रहे हैं। ये सब चीज बोला जाता है ? नहीं बोलनी चाहिए। हम तो कोई खास इन सब चीजों पर नहीं बोलते हैं। वो क्या बोले और हमलोगों के सब नेता डिफ्रेंट पार्टी के लोग बोले। ये सब गलत बात है, बिहारियों को बारे में नहीं बोलना चाहिए।'

पूरे मामले पर विवाद बढ़ता देख गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि उनके बयान को तोड़-मड़ोकर पेश किया गया। उनका भाषण कोंकणी भाषा में था और कुछ नेताओं ने

मेरे भाषण को ट्विस्ट कर दिया। वहां के मजदूर को अगर दुख पहुंचा हो तो खेद व्यक्त करता हूं। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि राज्य में अपराध के लिए प्रवासी श्रमिकों को जिम्मेदार ठहराने संबंधी उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। अगर उनके बयान से किसी राज्य या किसी राज्य के श्रमिकों को ठेस पहुंची है, तो वो इसके लिए खेद प्रकट करते हैं।

पूरे मामले पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) के स्थानीय नेता मनीष कुमार सिंह ने पटना के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में प्रवासी श्रमिकों संबंधी बयान को लेकर सावंत के खिलाफ याचिका दायर की है। मनीष सिंह ने मजदूर दिवस पर गोवा में एक भाषण के दौरान की गई सावंत की उस टिप्पणी पर आपत्ति जताई है, जिसमें सावंत ने तटीय राज्य में '90 प्रतिशत अपराधों' के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश के प्रवासी श्रमिकों को दोषी ठहराया था। सावंत ने कहा था कि 'मैंने एक मई को मजदूर दिवस समारोह के दौरान कोंकणी में बात की थी। हमने इस अवसर पर सभी राज्यों के श्रमिकों को सम्मानित किया था। मेरा भाषण, जो कोंकणी में था, उसे कुछ नेताओं ने तोड़-मरोड़ कर पेश किया।'

कारगिल चौक पर एआईडीएसओ का प्रदर्शन, पहलवानों के समर्थन में उतरे छात्र संगठन

पटना, 04 मई (का.सं.)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन कर रहे महिला पहलवानों के समर्थन में पटना में छात्र संगठन एआईडीएसओ सड़क पर उतरी है। इनके ओर से आज गुरुवार को एकजुटता दिवस मनाया जा रहा है। इस मौके पर पटना के कारगिल चौक पर जमकर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों की ओर से रोषपूर्ण नारे भी लगाए गए।

इनकी मांग है कि डब्ल्यूएफआई के चीफ भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण को पद से तुरंत बर्खास्त किया जाए। साथ ही महिलाओं को हर तरह की सुरक्षा सुनिश्चत करने के लिए सरकार व पुलिस-प्रशासन उचित कदम उठाए। यौन उत्पीड़न की घटनाओं के दोषियों को जरूरी सज़ा दिया जाए।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए एआईडीएसओ के बिहार राज्य सचिव मंडल सदस्य राजू कुमार ने कहा कि दुनिया भर में देश का मान बढ़ाने वाली महिला पहलवान आज न्याय की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर आंसू बहा रही हैं। जबकि केन्द्र सरकार उनकी समस्याओं को सुनने व समाधान करने के बजाए पुलिसिया दमन चला रही है, जो घोर निंदनीय है।

उन्होंने छात्र- नौजवानों से केंद्र सरकार की इस तानाशाहीपूर्ण एवं दमनात्मक कार्रवाई के विरोध में तथा महिला पहलवानों के न्यायसंगत आंदोलन के पक्ष में खड़े होने की अपील की।

एकजुटता दिवस कार्यक्रम की अध्यक्षता एआईडीएसओ के राज्य सचिवमंडल सदस्य पवन कुमार ने किया। इस अवसर पर एआईडीएसओ के पूर्व राज्य कमिटी सदस्य सरोज सुमन, लक्ष्मी कुमारी, संतोष कुमार, पम्मी कुमारी ने भी अपने विचार रखें।

बेहतर फिल्म पॉलिसी बिहार में लागू होगी, कलाकारों को मिलेगा मौका : जितेन्द्र कुमार राय

दरभंगा, 04 मई (नि.सं.)। दरभंगा में बिहार सरकार के कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री जितेन्द्र कुमार राय गुरुवार को दरभंगा पहुंचे। उन्होंने अम्बेडकर सभागार में जिला के आला अधिकारियों के साथ जिले में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की। बैठक में मंत्री जितेंद्र कुमार राय ने बाढ़ सुखाड़ सहित जिले में चल रही विकास योजनाओं के संबंध में कई दिशा निर्देश दिए।

पत्रकारों के सवाल का जबाब देते हुए मंत्री ने कहा कि मैं स्वीकार करता हूं कि बिहार में अभी तक फिल्म को लेकर कोई पॉलिसी नहीं है। लेकिन हम लोग यूपी, एमपी, छत्तीसगढ़ में जो फिल्म पॉलिसी है, उसका अध्ययन किया है।

जो फिल्म पॉलिसी है साथ ही बहुत सारे राज्य के फिल्म पॉलिसी पर बिहार सरकार के द्वारा कमेटी बना कर अध्ययन किया जा रहा है। कमेटी के निर्णय के बाद देश के सबसे बेहतर फिल्म पॉलिसी को हम लोग लागू करेंगे, जिससे मैथिली, भोजपुरी तथा अन्य सभी भाषाओं के क्षेत्रीय कलाकारों को एक अच्छा प्लेटफार्म मिल सके।

बैठक के बाद कला संस्कृति एवं युवा विभाग मंत्री जितेन्द्र कुमार राय ने कहा कि बिहार में जल्द कला विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। अभी राजगीर में खेल विश्वविद्यालय के भवन निर्माण का कार्य चल रहा है। खेल के संदर्भ में विकास की बात है तो जिले के हर प्रखंड में स्टेडियम का निर्माण किया जाना है, जिसमें 13 प्रखंडों में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है 6 प्रखंडों में जिला पदाधिकरी को आदेश दिया गया है कि जमीन चिन्हित कर के विभाग को सूचित करे, जिसके बाद हमलोग तुरंत स्वीकृति दिलाने का प्रयास करेंगे।

गुजरात टाइटंस को हराकर शीर्ष पर पहुंचने उतरेगी राजस्थान रॉयल्स

जयपुर (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स की टीम अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में राजस्थान को अपने घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा पर ये उसके लिए आसान मुकाबला नहीं रहेगा। राजस्थान की टीम के अभी 10 अंक हैं पर अगर इस मैच को जीतती है तो वह बेहतर नेट रन रेट के कारण अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच जायेगी।

कप्तान संजू सैमसन की राजस्थान रॉयल्स के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं पर इसके बाद भी टीम लगातार जीत दर्ज नहीं कर पा रही है। पिछले छह मैचों में टीम ने तीन मुकाबले जीते हैं जबकि इतने ही मुकाबले वह हारी है। टीम का कमजोर पक्ष उसकी गेंदबाजी रही है जिससे उसे बेहतर करना होगा। रॉयल्स की टीम पिछले मैच में मुंबई के खिलाफ 212 रन के बड़े लक्ष्य का भी बचाव नहीं कर पायी थी। इससे भी उसके गेंदबाजों का मनोबल घटा है और वे इस मैच में भी दबाव में रहेंगे। टीम के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट, ऑलराउंडर जेसन होल्डर, स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप सेन पिछले मैच में प्रभावी नहीं रहे और विरोधी टीम के बल्लेबाजों ने आसानी से उनपर शॉट खेले।

रॉयल्स के लिए यही सकारात्मक पक्ष है कि उसे शुरुआती मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत मिली थी।

राजस्थान के पास अच्छे बल्लेबाज हैं जिससे वह बड़ा स्कोर बनाने में सक्षम है। पिछले मैच में शतकीय पारी खेलने वाले युवा यशस्वी जायसवाल से टीम को इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद रहेगी। टीम के पास जोस बटलर बटलर, संजू सैमसन और शिमरोन हेटमेयर जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं।

इन्हें हालांकि गुजरात के गेंदबाजों मोहम्मद शमी और राशिद खान, नूर अहमद सहित अन्य गेंदबाजों से सावधान रहना होगा।

वहीं दूसरी ओर गुजरात की टीम के कप्तान पंड्या अपनी टीम को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए प्रेरित करने में सक्षम हैं। उसे हालांकि अपनी बल्लेबाजी को बेहतर करना होगा। पिछले कम स्कोर वाले मैच में टीम

दिल्ली कैपिटल्स से पांच रनों से हार गयी थी। अभी टीम 12 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान पर है जबकि राजस्थान 10 अंक के साथ चौथे स्थान पर काबिज है।

ऐसे में इस मैच में जीत के लिए टाइटंस के बल्लेबाजों को पिछले कमजोर प्रदर्शन से सबक लेते हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल और डेविड मिलर इस मैच में बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। पिछले मैच में इनके विफल रहने से टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

कप्तान पंड्या और तेवतिया ने कैपिटल्स के खिलाफ पूरा प्रयास किया था पर मध्यक्रम के खराब प्रदर्शन से टीम को हार का सामना करना पड़ा था। राहुल तेवतिया ने अंतिम ओवर में तीन छक्के लगाये थे पर इसके बाद भी टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पायी।

टीम का मजबूत पक्ष उसकी गेंदबाजी है। हालांकि काफी मजबूत है जहां मोहम्मद शमी शानदार लय में है। स्पिन विभाग में राशिद और अफगानिस्तान के एक अन्य खिलाड़ी नूर अहमद शानदार प्रदर्शन कर रहे है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जम्पा।

गुजरात टाइटन्स: हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

मैड्रिड ओपन : कड़ी मशक्कत के बाद सेमीफाइनल में अल्काराज

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेन की युवा सनसनी और शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्कराज कड़ी मशक्कत के बाद रूस के कारेन खचानोव को हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश करने में सफल रहे। इसी हफ्ते अपना 20वां जन्मदिन मनाने वाले अल्काराज ने बुधवार को 10वीं सीड खचानोव को 6-4, 7-5 से मात दी। दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी अल्कराज रविवार के फाइनल में जगह बनाने के लिये बोर्ना कॉरिक या डेनियल अल्तमाइर में से किसी एक से मुकाबला करेंगे।

अल्काराज ने जीत के बाद कहा, ''मैं इस तरह के शानदार स्तर पर खेलकर मैच को खत्म करने से बहुत खुश हूं। अलग-अलग शॉट लगाने और टेनिस को अलग बनाने की कोशिश करना मेरी शैली है। यही मेरा खेलने का तरीका है।' इसी बीच, महिला एकल में रूस की 12वीं वरीय वेरोनिका कुदेरमेतोवा अमेरिका की तीसरी वरीय जेसिका पेगुला को 6-4, 0-6, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गईं।

मैरी कॉम ने मणिपुर हिंसा मामले को लेकर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री से सहायता मांगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिग्गज महिला मुक्केबाज मैरी कॉम ने मणिपुर में जारी हिंसा को समाप्त करने में सहायता करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से सहायता की अपील की है। राज्य में ये हिंसा मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) श्रेणी में शामिल करने की मांग का विरोध करने के लिए छात्रों के एक संगठन द्वारा आयोजित 'आदिवासी एकता मार्च के दौरान भड़क गयी। इस मार्च में हजारों लोग शामिल हुए थे। हिंसा भड़कने के बाद राज्य के कई जिलों में कर्फ्यू लगाने के साथ ही पूरे मणिपुर में अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट भी बंद कर दिया गया है हालांकि ब्रॉडबैंड सेवाएं चलती रहेंगी।

इस हिंसा से दुखी मैरी कॉम ने ट्वीट कर प्रधानमंत्री मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है। मैरी कॉम ने देर रात किये अपने ट्वीट में लिखा, मेरा राज्य मणिपुर जल रहा है। कृपया सहायता कीजिए। मैरी कॉम ने इस ट्वीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री कार्यालय, गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी टैग करते हुए मणिपुर में आगजनी की तस्वीरें भी साझा की हैं। मणिपुर में सेना और सशस्त्र बलों की सहायता से हिंसा पर नियंत्रण किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि रैली में हजारों आंदोलनकारियों ने हिस्सा लिया और इस दौरान तोरबंग इलाके में आदिवासियों और गैर-आदिवासियों के बीच झड़पें हो गयीं थीं। इस अधिकारी ने बताया कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा।

न्यूजीलैंड को तीसरे एकदिवसीय में हराकर नंबर एक स्थान के करीब पहुंची पाकिस्तान

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने न्यूजीलैंड को तीसरे एकदिवसीय में 26 रनों से हराकर लगातार तीसरा एकदिवसीय मुकाबला जीता है। तीसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पाक को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। पाक ने इमाम उल हक के 90 और बाबर आजम के 54 रनों की सहायता से 50 ओवर में 6 विकेट पर 287 रन बनाये। वहीं कीवी टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 261 रन ही बना पायी। पाक की ओर से शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और मोहम्मद वसीम जूनियर ने 2-2 विकेट लिए।

इस जीत के साथ ही पाक ने 5 मैचों की इस सीरीज में 3-0 की बढ़त हासिल कर ली है। अब पाक टीम नंबर एक स्थान के करीब पहुंच गयी है। अगर पाक टीम चौथे एकदिवसीय मैच में भी न्यूजीलैंड को हराने में सफल रहती है। तो वह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बराबर 113 रेटिंग पर पहुंचकर आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंच जाएगी। पाक को नंबर-1 स्थान पर बने रहना है तो उन्हें न्यूजीलैंड को इस सीरीज में 5-0 से हराना होगा।

वहीं ताजा आईसीसी रैंकिंग की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया और भारतीय टीम अभी 113-113 रेटिंग्स के साथ शीर्ष-2 में बनी हुई है जबकि पाक टीम अभी 112 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर है। अगर पाक टीम चौथा एकदिवसीय जीतती है तो उसके 113 रेटिंग्स हो जाएंगे। वहीं अगर पाक पांचवां एकदिवसीय जीतता है तो वह 115 रेटिंग्स के साथ भारत और ऑस्ट्रेलिया से आगे निकल जाएगा। वहीं न्यूजीलैंड मिली हार से पाक टीम फिर 112 की रेटिंग्स के साथ तीसरे पायदान पर फिसल जाएगी।

धोनी से संन्यास को लेकर सवाल पूछने वाले मॉरिसन पर भड़के सहवाग

लखनऊ । पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से संन्यास को लेकर पूछे सवाल को लेकर क्रिकेट एंकर डैनी मॉरिसन को करारा जवाब दिया है। लखनऊ सुपरकिंग्स के खिलाफ हुए मैच में टॉस से पहले मॉरिसन ने धोनी से यह सवाल पूछा था। इसी को लेकर अब धोनी का एक जवाब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। सहवाग बार-बार धोनी से संन्यास की बात पूछने को लेकर मॉरिसन से भड़क गये और उन्होंने कहा कि इस प्रकार की बातें नहीं पूछनी चाहिये। सहवाग ने कहा कि कमेंटेटरों और प्रशंसकों को धोनी को इस मामले में अकेला छोड़ देना चाहिए। साथ ही कहा कि इस बारे में बार-बार पूछने की जगह हमें उनके फैसले का इंतजार करना चाहिए। सहवाग ने स्पष्ट रुप से कहा कि यह उनका आईपीएल में अंतिम साल है या नहीं, यह सिर्फ धोनी ही जानते हैं। मॉरिसन ने धोनी से पूछा था कि वह अपने अंतिम आईपीएल का आनंद कैसे ले रहे हैं, तो इस पर धोनी ने कहा कि ये आप कह रहे हैं पर मैंने उन्होंने अभी तक संन्यास को लेकर कोई फैसला नहीं किया है। इसपर प्रशंसकों ने भी धोनी का समर्थन किया।

निडर होकर बल्लेबाजी करने से बन रहे बड़े स्कोर : रोहित

मोहाली (ईएमएस)। मुंबई इंडियंस के कप्तान कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल के इस सत्र में बड़े स्कोर बनने के कारणों को बताया है। रोहित के अनुसार इस सत्र में उनकी टीम ने निडर होकर बल्लेबाजी शुरु की थी जिसका लाभ अब उन्हें मिल रहा है। पंजाब के दिये दो सौ रनों से अधिक के लक्ष्य को भी टीम ने तय ओवरों से पहले ही हासिल कर लिया। यह इस सत्र में दूसरी बार है जब मुम्बई ने दो सौ से अधिक रनों के लक्ष्य को भी हासिल किया है। रोहित ने कहा, 'जब हमने टी20 क्रिकेट खेलना शुरू किया तब 140- 150 ही जीत के लिए पर्याप्त होते थे पर अब ऐसा नहीं है। इस आईपीएल में ही औसत स्कोर 180 रन पहुंच गया है।' इसके अलावा एम्पैक्ट प्लेयर के नियम से भी प्रभाव पड़ा है। इसी कारण अब बड़े स्कोर बन रहे हैं। उन्होंने कहा, 'सूर्या और इशान किशन ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। इसके अलावा टिम और तिलक ने भी फिनिशर की भूमिका निभाई। हमने सत्र से पहले ही तय किया था कि निडर होकर खेलेंगे और परिणाम के बारे में सोचकर नहीं खेलेंगे। साथ ही कहा कि जब आप ज्यादा सोचते हैं तो अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाते।' इस मैच में लखनऊ सुपरजायंटस से मिले 215 रनों के लक्ष्य को मुम्बई ने ईशान किशन 75 और सूर्यकुमार यादव 66 के बीच हुई आक्रामक शतकीय साझेदारी के बल पर आसानी से हासिल कर लिया। यह आईपीएल इतिहास में लक्ष का पीछा करते हुए तीसरी सबसे बड़ी जीत थी। इससे पहले राजस्थान राजस्थान ने साल 2020 में पंजाब के खिलाफ 224 रनों का लक्ष्य हासिल किया था।

उत्तम जूनियर एशिया कप में भारतीय हॉकी टीम की अगुवाई करेंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। अग्रिम पंक्ति के युवा खिलाड़ी उत्तम सिंह को 23 मई से एक जून तक ओमान के सलालाह में खेले जाने वाले जूनियर हॉकी एशिया कप के लिए भारतीय टीम का कप्तान बरकरार रखा गया है। उत्तम के नेतृत्व में भारत ने पिछले साल सुल्तान जोहोर कप का खिताब जीता था। जूनियर एशिया कप दिसंबर में मलेशिया में होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगा। भारत पूल ए में पाकिस्तान, जापान, थाईलैंड और चीनी ताइपे के साथ है जबकि कोरिया, मलेशिया, ओमान, बांग्लादेश और उज्बेकिस्तान को पूल बी में रखा गया है।

उत्तम ने पिछले साल नवंबर में सुल्तान जोहोर कप में ऑस्ट्रेलिया पर 5-4 से रोमांचक जीत में शूटआउट में दो गोल किये थे। इस मुकाबले में भारत के लिए गोल करने वाले विष्णुकांत सिंह और सुदीप चिरमाको ने भी 18 सदस्यीय टीम में

अपनी जगह बरकरार रखी है। उत्तम ने भुवनेश्वर में भारत के विश्व कप 2021 अभियान में भी भाग लिया। इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम का अभियान सेमीफाइनल तक चला था। बॉबी सिंह धामी को टीम का उपकप्तान बनाया गया, जबकि मोहित एचएस और हिमवान सिहाग को गोलकीपर के रूप में चुना गया। मिडफील्ड में अनुभवी विष्णुकांत सिंह होगें, जिन्होंने राउरकेला में हाल ही में आयोजित एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दौरान शानदार प्रदर्शन किया था। उन्हें राजिंदर सिंह, पूवन्ना सीबी, अमनदीप और सुनीत लाकड़ा का साथ मिलेगा।

बॉबी, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य लालगे, उत्तम, सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह टीम की अग्रिम पंक्ति पर मोर्चा संभालेंगे। भारतीय टीम के कोच सीआर कुमार ने कहा, 'हमारे पास काफी अनुभवी टीम है जिसमें कुछ खिलाड़ियों ने हाल में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया है। हमने बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) परिसर में तैयारी की है जहां सीनियर टीम भी मौजूद थी। हमें उनके साथ अभ्यास मैच खेलने का फायदा हुआ है।'

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः मोहित एच एस, हिमवान सिहाग।

रक्षापंक्तिः शारदानंद तिवारी, रोहित, अमनदीप लकड़ा, आमिर अली, योगेम्बर रावत।

मिडफील्डरः विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, पूवन्ना सी बी, अमनदीप, सुनीत लाकड़ा।

अग्रिम पंक्तिः बॉबी सिंह धामी, अरिजीत सिंह हुंदल, आदित्य लालगे, उत्तम सिंह (कप्तान), सुदीप चिरमाको और अंगद बीर सिंह।

रियाल मैड्रिड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंचा एटलेटिको

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड ने कैडिज को 5-1 से करारी शिकस्त देकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रियाल मैड्रिड की जगह दूसरा स्थान हासिल कर लिया। एंटोनी ग्रीजमैन ने पहले हाफ में दो गोल किए जबकि अल्वारो मोराटा, यानिक कैरास्को और नाहुएल मोलिना ने दूसरे हाफ में एक एक गोल करके एटलेटिको को 14 लीग मैचों में 12वीं जीत दिलाई। अब जबकि लीग में पांच दौर के मैच होने बाकी है तब एटलेटिको की टीम रियाल मैड्रिड से एक अंक आगे हो गई है। एटलेटिको के अब 33 मैचों में 69 अंक हो गए हैं जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैचों में 68 अंक हैं। बार्सिलोना 33 मैचों में 82 अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है।

लखनऊ के एकाना स्टेडियम में पहली बार खेलने के लिए धोनी का सम्मान हुआ

लखनऊ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने लखनऊ के एकाना क्रिकेट स्टेडियम में पहली बार खेलने पर चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का सम्मान किया गया। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस अवसर पर धोनी को एक विशेष बल्ला प्रदान किया। इसका एक वीडियो भी आईपीएल के आधिकारिक सोशल मीडिया के ज़रिए साझा किया गया है।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान धोनी ने आईपीएल में 243 मैच खेले हैं पर उन्होंने इससे पहले कभी भी लखनऊ में नहीं खेला था। सीएसके और लखनऊ के बीच हुए आईपीएल के इस मैच को देखने बड़ी तादाद में लोग स्टेडियम पहुंचे थे। धोनी ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हुए 9 मैचों में 74 की औसत से 74 रन बनाए हैं। इसमें 8 छक्के भी शामिल हैं। धोनी 41 साल के हो गये हैं। ऐसे में प्रशंसकों का मानना है कि धोनी के लिए यह आईपीएल का अंतिम सत्र को सकता है। इस बल्लेबाज ने लखनऊ के खिलाफ मुकाबले से पहले टॉस के समय संन्यास को लेकर कुछ कहने से इंकार कर दिया। असल में एंकर डैनी मॉरिसन ने उनसे पूछा था कि क्या वह अपने अंतिम सत्र का आनंद उठा रहे हैं तो धोनी ने उन्हें कहा कि यह सिर्फ आप कह रहे हैं कि यह आखिरी है। मैं नहीं। इससे साफ है कि धोनी अभी संन्यास नहीं लेने वाले। धोनी ने पिछले सीजन की शुरूआत में ही कप्तानी छोड़ दी थी पर उनकी जगह कप्तान बने रविन्द्र जडेजा पारी संभाल नहीं पाये थे। इसके बाद बीच सत्र में ही धोनी को एक बार फिर कप्तानी संभालनी पड़ी।

ला लिगा लीग में दूसरे स्थान पर पहुंची एटलेटिको मैड्रिड

मैड्रिड । एटलेटिको मैड्रिड स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। उसे यह स्थान कैडिज को 5-1 से हराने के कारण मिला है। वहीं रियाल मैड्रिड तीसरे नंबर पर खिसक गयी है। एटलेटिको की ओर से एंटोनी ग्रीजमैन ने पहले हाफ में दो गोल दागे जबकि अल्वारो मोराटा, यानिक कैरास्को और नाहुएल मोलिना ने दूसरे हाफ में एक एक गोल करके अपनी टीम को जीत दिलायी। ये 14 वें लीग मैच में एटलेटिको की 12वीं जीत है। अब पांच दौर के मैच शेष हैं पर एटलेटिको की टीम रियाल से एक अंक आगे निकल गई है। एटलेटिको के अब 33 मैचों में 69 अंक जबकि रियाल के इतने ही मैचों में 68 अंक हैं। वहीं बार्सिलोना की टीम 33 मैचों में 82 अंक के साथ ही नंबर एक स्थान पर बनी हुई है।

विनेश और बजरंग ने कहा- हम अपने पदक और पुरस्कार लौटाने के लिए तैयार हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के खराब व्यवहार से आहत प्रदर्शनकारी पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने गुरुवार को अपने पदक और पुरस्कार सरकार को लौटाने की पेशकश करते हुए कहा कि अगर उनका इस तरह से अपमान किया जाता है तो फिर इन पुरस्कारों का कोई मतलब नहीं है। पहलवान 23 अप्रैल से राष्ट्रीय राजधानी में धरने पर बैठे हैं और एक नाबालिग सहित सात पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। बुधवार की रात करीब 11 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ उस समय हाथापाई हो गई, जब वे अपने रात्रि विश्राम के लिए फोल्डिंग चारपाई ला रहे थे और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने कथित तौर पर इस बारे में पूछताछ शुरू कर दी थी।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग ने गुरुवार की सुबह पत्रकारों से कहा,'' अगर पहलवानों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाता है तो फिर हम इन पदकों का क्या करेंगे। इसके बजाय हम अपने सभी पदक और पुरस्कार भारत सरकार को लौटाकर सामान्य जिंदगी जिएंगे।' उन्होंने कहा,'' जब पुलिस हमें धक्का दे रही है, हमारे लिए अपशब्द कह रही है, हमारे साथ दुर्व्यवहार कर रही है तब वे यह नहीं देखते कि हम पदम श्री पुरस्कार विजेता है और केवल मैं ही नहीं यहां साक्षी (मलिक) भी है।'

साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। बजरंग ने कहा,'' वे हमारे साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। महिलाएं और बेटियां सड़कों पर बैठी हैं, दया की भीख मांग रही हैं लेकिन किसी को कुछ परवाह नहीं है।' दिल्ली पुलिस और पहलवानों के बीच कल रात हुई घटना में दो प्रदर्शनकारी घायल हो गए थे जिसके बाद जंतर मंतर पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। खेल रत्न पुरस्कार विजेता विनेश फोगाट ने कहा,''हमसे सभी (पदक) ले लो। हमें बहुत अपमानित किया गया है। हम अपने सम्मान के लिए लड़ रहे हैं लेकिन हमें कुचला जा रहा है। क्या सभी पुरुषों को महिलाओं को अपशब्द कहने का अधिकार है। हम अपने सभी पदक लौटा देंगे, यहां तक कि हम अपनी जान दे देंगे लेकिन कम से कम हमें इंसाफ तो दिला दो।'

रिंकू आने वाले समय में भारतीय टीम से खेलेंगे

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेविड हसी ने आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह के प्रदर्शन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में भारतीय टीम की ओर से खेलेंगे। रिंकू ने इस सत्र में अब तक अपनी टीम की ओर से तीन अर्धशतक लगाये हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 21 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली थी। इस दौरान मैच में आखिरी गेंद पर उनके लगाये पांच छक्कों से टीम को जीत मिली थी। रिंकू ने इस सत्र के 9 मैचों में 54 की औसत से 270 रन बनाये हैं और वह केकेआर की ओर से इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं। हसी ने रिंकू के इसी शानदार प्रदर्शन को देखते हुए कहा कि वह जल्द ही भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं। हसी ने कहा, रिंकू एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। वह घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आईपीएल में केकेआर के लिए खेलते हुए उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने वापस ली जा चुकी आबकारी नीति के मामले में आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से प्रतिक्रिया मांगी है।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने सिसोदिया की जमानत याचिका और उनकी पत्नी के खराब स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग वाली एक अन्य याचिका पर नोटिस जारी किया है।

ईडी के वकील जोहेब हुसैन ने कहा कि दोनों जमानत याचिकाओं पर एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल किया जाएगा।

अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 11 मई को तय की है।

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज केस में सिसोदिया की जमानत याचिका पर जस्टिस शर्मा गुरुवार दोपहर 12.30 बजे सुनवाई करेंगे।

सुनवाई के दौरान हुसैन ने अदालत को बताया कि सिसोदिया आबकारी नीति के निर्माण में प्रमुख साजिशकर्ताओं में से एक हैं।

इस पर, वरिष्ठ अधिवक्ता दयान कृष्णन ने यह कहते हुए आपत्ति जताई कि ईडी को जवाब दाखिल करने के बाद ही सुना जाना चाहिए।

सिसोदिया ने अपनी पत्नी की बीमारी के आधार पर सीबीआई केस में अंतरिम जमानत के लिए बुधवार को उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

न्यायमूर्ति शर्मा ने अपनी नियमित जमानत याचिका के साथ गुरुवार को विचार के लिए याचिका को सूचीबद्ध करते हुए सीबीआई से उसी दिन (गुरुवार) मामले में स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का प्रयास करने को कहा था।

पिछले सप्ताह राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 12 मई तक बढ़ा दी थी।

कोर्ट ने सीबीआई को सिसोदिया को पूरक आरोपपत्र की ई-कॉपी मुहैया कराने का भी निर्देश दिया था।

सिसोदिया के वकील ने दावा किया कि जांच एजेंसी ने मामले में अधूरी जांच दायर की थी और अदालत से उनके मुवक्किल को डिफॉल्ट जमानत देने का आग्रह किया था।

वकील ने कहा था, प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि एजेंसी कह रही है कि मेरे बारे में और जांच की आवश्यकता है/लंबित है। इसलिए, हमें वैधानिक जमानत का अधिकार है। जांच एजेंसी ने 25 अप्रैल को आरोपपत्र दायर किया था।

सीबीआई ने 26 अप्रैल को दिल्ली उच्च न्यायालय को बताया था कि जिस आबकारी नीति घोटाले की वह जांच कर रही है, वह एक गहरी साजिश है और यह उतना सरल नहीं है जितना दशार्या गया है।

न्यायाधीश नागपाल ने 29 अप्रैल को ईडी द्वारा दर्ज मामले में सिसोदिया की हिरासत आठ मई तक बढ़ा दी थी। एक दिन पहले, न्यायाधीश ने सिसोदिया को यह कहते हुए जमानत देने से इनकार कर दिया कि सबूत प्रथम दृष्टया अपराध में उनकी संलिप्तता के बारे में बहुत कुछ कहते हैं।

गैंगस्टर अनिल दुजाना यूपी एसटीएफ के एनकाउंटर में ढेर

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश पुलिस लगातार खूंखार अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। आज यूपी पुलिस की एसटीएफ ने कुख्यात गैंगस्टर अनिल दुजाना को यूपी एसटीएफ ने मेरठ में ढेर कर दिया।

यूपी पुलिस की एसटीएफ ने कुख्यात गैंगस्टर अनिल दुजाना को मेरठ में एक एनकाउंटर में मार गिराया। अनिल दुजाना गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा का रहनेवाला था।

शुरूआती जानकारी के मुताबिक मेरठ में यूपी एसटीएफ और अनिल दुजाना गैंग के बीच सीधी मुठभेड़ हुई। जिसमें अनिल दुजाना ढेर हो गया है।

खुंखार बदमाश अनिल दुजाना पिछले काफी समय से दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद था। कुछ समय पहले ही वह जमानत पर बाहर आया था।

लेकिन जानकारी मिली थीं कि जेल से छूटने के बाद भी उसने आपराधिक घटनाओं को अंजाम देना जारी रखा। रिहाई के बाद से ही उसने गौतमबुद्ध नगर में अपने खिलाफ गवाही दे रहे लोगों को धमकियां दी थीं।

पुलिस ने बदमाश अनिल दुजाना के खिलाफ दो आपराधिक मामले दर्ज किए थे। और इन दोनों ही मामलों में उत्तर प्रदेश की पुलिस लंबे अर्से से उसकी तलाश कर रही थी। बीते कुछ दिनों से लगातार वह पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था।

बता दें कि दिल्ली एनसीआर समेत हरियाणा और आसपास के जिलों में इस पर 50 से ज्यादा मामले दर्ज थे। इसमें रंगदारी, लूट, हत्या और अपहरण के भी कई गंभीर मामले दर्ज हैं। दुजाना पर इनाम भी घोषित था।

अनिल दुजाना गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, दिल्ली-एनसीआर और हरियाणा में आतंक का पर्याय माना जाता था। अनिल दुजाना उत्तर प्रदेश के टॉप बदमाशों में शामिल था।

बताया जा रहा है कि दुजाना साथियों के साथ मिलकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए जा रहा था। इस सूचना पर आधारित एसटीएफ ने घेराबंदी कर ली थी। एसटीएफ के हवाले खबर दी है कि अनिल दुजाना को मेरठ में एक एनकाउंटर में मार गिराया गया है।

दुजाना का मारा जाना यूपी एसटीएफ की बड़ी सफलता मानी जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ले 'द केरल स्टोरी' पर रोक लगाने से किया इंकार, रिलीज का रास्ता साफ

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को विवादास्पद फिल्म द केरल स्टोरी' को सीबीएफसी प्रमाणन दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। फिल्म पांच मई को रिलीज होने वाली है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) ने पहले ही फिल्म को प्रमाणित कर दिया है।

पीठ ने कहा, आप कलाकारों, निर्माता के बारे में सोचिए... सबने मेहनत की है। फिल्मों पर स्थगन देने के बारे में आपको बहुत सावधान रहना चाहिए। बाजार तय करेगा कि क्या यह मानक के अनुरूप है या नहीं.... हम (याचिका कायम रखने के) इच्छुक नहीं हैं।

पीठ में जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस जे.बी.पारदीवाला भी शामिल हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने इस मामले का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि केरल हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि वह इस मामले को एक पीठ को सौंपेंगे लेकिन पीठ उपलब्ध नहीं थी।

अहमदी ने कहा, आपने कहा था कि हम मामले की तात्कालिकता को देखने और एक पीठ गठित करने के लिए उच्च न्यायालय से संपर्क कर सकते हैं। पीठ का गठन उनके द्वारा किया गया था, उन्होंने कहा कि वे कल ही इस पर विचार कर सकते हैं।

शीर्ष अदालत ने बुधवार को फिल्म से संबंधित याचिकाओं पर विचार करने से इनकार कर दिया था और याचिकाकर्ताओं से क्षेत्राधिकार वाले हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाने को कहा था। यह फिल्म केरल में युवा हिन्दू महिलाओं को आतंकी संगठन (आईएस) में शामिल किए जाने से पहले कथित तौर पर उनका इस्लाम में धर्मांतरण और कट्टरवाद पर आधारित है।

पहलवानों और महिलाओं के मामले में बहुत संजीदगी से काम कर रही मोदी सरकार, धरने पर बोलीं मीनाक्षी लेखी

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्यी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं के जंतर-मंतर पहुंच पहलवानों के प्रदर्शन का समर्थन करने से इस धरने की विश्वनीयता को आंच पहुंची है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि सरकार पहलवानों और महिलाओं के मामले में बहुत संजीदगी से काम कर रही है। उन्होंने कहा, दो समिति भी बनी है (मामले की जांच के लिए)। मामला उच्चतम न्यायालय में है। जांच जारी है और प्राथमिकी भी दर्ज हुई है। नियमानुसार जो कुछ भी होना चाहिए, हम कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और कुछ पुलिस कर्मियों के बीच बुधवार देर रात हाथापाई हो गई थी, जिसके कारण कुछ प्रदर्शनकारियों के सिर में चोटें आईं। पहलवानों के धरने से जुड़े एक सवाल के जवाब में लेखी ने कहा, क्या होता है ...जब इस तरह के लोग जो ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) में फंसे हुए हैं... राजस्व घोटाले में फंसे हुए हैं... 45 करोड़ के शीशमहल में फंसे हुए हैं। जब ये लोग ऐसे धरने पर पहुंचते हैं तो धरने की विश्वसनीयता पर आंच आती है। मामले की गंभरता हल्की होती है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में पहलवानों से मुलाकात की थी और उन्हें अपना समर्थन दिया था। भाजपा ने दिल्ली की अब खत्म की जा चुकी आबकारी नीति और केजरीवाल के सरकारी आवास के सौंदर्यीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च होने के मामले में आम आदमी पार्टी-नीत सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। इस मामले में दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और आप नेता सत्येन्द्र जैन जेल में हैं।

केंद्रीय मंत्री लेखी ने यह दावा भी किया कि दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने हाल ही में आप के कुछ नेताओं के साथ एक बैठक की थी, जिसमें 100 लोगों के लिए पगड़ी और पहलवानों के लिए मैट खरीदे जाने का फैसला लिया गया था। साथ ही उनके लिए वाटरप्रुफ टेंट की व्यवस्था का इंतजाम किया जाना भी तय किया गया था। उन्होंने कहा, जब इस तरह की गतिविधियों (धरने) का राजनीतिकरण होता है...जो खुद ही साख गवां चुके हैं, ऐसे लोग जाकर बैठेंगे तो थोड़ा असर पड़ता है।

लेखी ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने अपने आवास के सौंदर्यीकरण पर 45 करोड़ रुपये खर्च कर अपने लिए सात सितारा सुविधाओं की व्यवस्था करके नैतिक और कानूनी गलतियां की हैं। आप नेता सोमनाथ भारती द्वारा खिलाड़ियों के लिए खाट की व्यवस्था किए जाने से हुए विवाद के बारे में पूछे जाने पर लेखी ने कहा, जो अपनी बीबी पर घेरलू हिंसा का आरोपी है... ऐसे लोग जब भ्रष्टाचार का जवाब देने की बजाय वहां पहुंचेंगे और वह भी तब जब कार्रवाई हो रही है, मामला अदालत में लंबित है, तो विश्वनीयता पर आंच आएगी।

पहलवान 23 अप्रैल से जंतर-मंतर पर धरना दे रहे हैं। उन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं, जो उत्तर प्रदेश से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद भी हैं। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ 28 फरवरी को दो प्राथमिकी दर्ज की थी और बाद में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली महिला पहलवानों को सुरक्षा मुहैया कराने की पेशकश की थी।

बेटी बचाओं का नारा सिर्फ ढोंग : राहुल गांधी

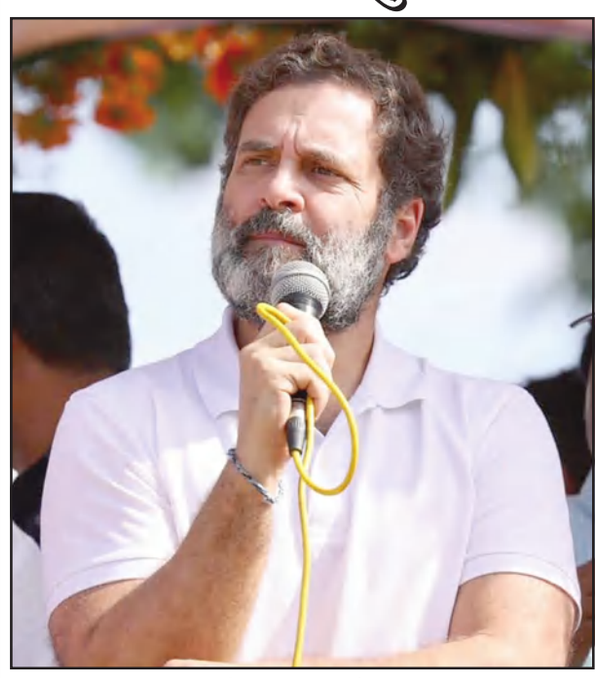

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस के बीच कथित तौर पर हाथापाई होने की घटना को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि देश के खिलाड़ियों के साथ यह व्यवहार शर्मनाक है और 'बेटी बचाओ' का नारा सिर्फ ढोंग है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और पुलिस के बीच कथित तौर पर हाथापाई होने की घटना को लेकर बृहस्पतिवार को कहा कि देश के खिलाड़ियों के साथ यह व्यवहार शर्मनाक है और 'बेटी बचाओ' का नारा सिर्फ ढोंग है।

उन्होंने ट्वीट किया, 'देश के खिलाड़ियों के साथ ऐसा बर्ताव बहुत ही शर्मनाक है। बेटी बचाओ' का नारा बस ढोंग है! असल में भाजपा भारत की बेटियों पर अत्याचार करने में कभी पीछे नहीं रही है।'

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि पहलवानों की सुनवाई हो और उनके साथ न्याय किया जाए।

उन्होंने ट्वीट कर कहा, 'अपनी कड़ी मेहनत और लगन से देश व अपने परिवार का नाम रोशन करने वाली महिला खिलाड़ियों के आंसू देखकर बहुत दुख होता है। इनकी सुनवाई हो और न्याय किया जाए।

यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों और कुछ पुलिसकर्मियों के बीच कथित तौर पर हाथापाई हुई, जिसके कारण कुछ प्रदर्शनकारियों के सिर पर चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक सोमनाथ भारती समेत कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला झटका नहीं, हमारे पास सारे विकल्प खुले हैं : प्रदर्शनकारी पहलवानों ने कहा

नई दिल्ली, 04 मई (एजेन्सी)। उच्चतम न्यायालय द्वारा उनकी याचिका पर सुनवाई बंद करने के बाद प्रदर्शनकारी पहलवानों ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह उनके लिये झटका नहीं है और वे प्रदर्शन जारी रखेंगे। पहलवानों ने कहा कि उनके लिये सारे विकल्प खुले हैं और वे बड़ों से सलाह लेकर तय करेंगे कि निचली अदालत में जाना है या उच्च न्यायालय में। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पहलवान 23 अप्रैल से धरने पर बैठे हैं। उनका आरोप है कि डब्ल्यूएफआई प्रमुख ने एक नाबालिग सहित सात महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न किया है। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को तीन महिला पहलवानों की याचिका पर कार्यवाही बंद कर दी जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाये हैं।

उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले इस बात का संज्ञान लिया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है और सात शिकायतकर्ताओं को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की गयी है। विनेश फोगाट ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, उच्चतम न्यायालय ने जो कुछ किया, हम तहेदिल से आभारी हैं क्योंकि पुलिस ने छह दिन में प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की थी। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद ही प्राथमिकी दर्ज की गई। हम उच्चतम न्यायालय के फैसले को मानेंगे। उन्होंने कहा, अगर अभी कुछ नहीं होता है तो हमारे पास कई विकल्प है। उच्चतम न्यायालय ने यह भी कहा है कि हम दिल्ली उच्च न्यायालय जा सकते हैं। अगर हमारी मांग पर त्वरित कार्रवाई नहीं की गई तो हम वह भी कर सकते हैं। यह पूछने पर कि क्या यह फैसला उनके लिये झटका है, विनेश ने ना में जवाब दिया।

उन्होंने कहा, बिल्कुल नहीं। हमें पता था कि उच्चतम न्यायालय के हाथ में क्या है। सभी के हाथ बंधे हुए हैं क्योंकि देश संविधान से चलता है, प्रदर्शन से नहीं। प्रदर्शन से संविधान नहीं बदला जा सकता। अदालत कभी किसी की गिरफ्तारी का आदेश नहीं देती। वह अधिकार पुलिस को है। विनेश ने कहा, ऐसा मत सोचो कि न्यायालय के इस फैसले से हमारा मनोबल गिरा है। किसी को गिरफ्तार करना न्यायालय का काम नहीं है। न्यायालय ने अपना काम कर दिया है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से प्राथमिकी दर्ज करने को कहा है। धरना जारी रहेगा और मांगे वही है। उन्होंने कहा, दिल्ली उच्च न्यायालय जाने के बाद भी अगर दिल्ली पुलिस कोताही बरतती है तो हम उच्चतम न्यायालय फिर जा सकते हैं।

इससे पहले दिल्ली पुलिस के खराब व्यवहार से आहत प्रदर्शनकारी पहलवानों ने अपने पदक और पुरस्कार सरकार को लौटाने की धमकी देते हुए कहा कि अगर उनका इस तरह से अपमान किया जाता है तो फिर इन पुरस्कारों का कोई मतलब नहीं है। बुधवार की रात लगभग 11 बजे तब हंगामा शुरू हो गया जब पहलवान सोने के लिए फोल्डिंग चारपाई लेकर आए और ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने इसके बारे में पूछताछ शुरू कर दी क्योंकि नियमों के अनुसार प्रदर्शन स्थल पर इस तरह की चीजें लाने की अनुमति नहीं है। विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने दावा किया कि पुरुष पुलिस अधिकारियों ने उन्हें धक्का दिया और उनके लिए अपशब्दों का उपयोग किया जिससे उनके आंसू आ गए। संगीता फोगाट के भाई दुष्यंत सहित दो पहलवानों को चोटें आई हैं।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया ने गुरुवार की सुबह पत्रकारों से कहा, अगर पहलवानों के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाता है तो फिर हम इन पदकों का क्या करेंगे। इसके बजाय हम अपने सभी पदक और पुरस्कार भारत सरकार को लौटाकर सामान्य जिंदगी जिएंगे। विनेश, साक्षी और बजरंग तीनों देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार खेल रत्न विजेता हैं। साक्षी (2017) और बजरंग (2019) को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया है।

बजरंग ने कहा, जब पुलिस हमें धक्का दे रही है, हमारे लिए अपशब्द कह रही है, हमारे साथ दुर्व्यवहार कर रही है तब वे यह नहीं देखते कि हम पद्मश्री पुरस्कार विजेता है और केवल मैं ही नहीं यहां साक्षी (मलिक) भी है। साक्षी मलिक ने रियो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था। बजरंग ने कहा, वे हमारे साथ दुर्व्यवहार कर रहे हैं। महिलाएं और बेटियां सड़कों पर बैठी हैं, दया की भीख मांग रही हैं लेकिन किसी को कुछ परवाह नहीं है। खेल रत्न पुरस्कार विजेता विनेश फोगाट ने कहा, हमसे सभी (पदक) ले लो। हमें बहुत अपमानित किया गया है। हम अपने सम्मान के लिए लड़ रहे हैं लेकिन हमें कुचला जा रहा है। क्या सभी पुरुषों को महिलाओं को अपशब्द कहने का अधिकार है। हम अपने सभी पदक लौटा देंगे, यहां तक कि हम अपनी जान दे देंगे लेकिन कम से कम हमें इंसाफ तो दिला दो।

हंगामा तब शुरू हुआ जब प्रदर्शनकारी प्रदर्शन स्थल पर अतिरिक्त गद्दे और लकड़ी के बेंच लाने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि बारिश के कारण पुराने गद्दे गीले हो गए थे। इस बीच दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को उस स्थान पर पहलवानों का प्रवेश रोक दिया जहां वे भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने पर बैठे थे। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने यहां जंतर मंतर पर प्रेस कांफ्रेंस की लेकिन पुलिस ने पहलवानों को धरना स्थल पर प्रवेश नहीं करने दिया।

विनेश की चचेरी बहन और पूर्व विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता तथा 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता फोगाट ने ट्वीट किया कि उन्हें और उनके पति को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। विनेश ने कहा, ये लोग आतंकवादी नहीं हैं बल्कि हमारे समर्थन के लिये आ रहे हैं। इनके पास कोई विस्फोटक नहीं हैं और ना ही वे यहां हंगामा करने आ रहे हैं। ये सरल लोग हैं, हमारे बड़े हैं और हमारा दर्द समझते हैं। दिल्ली पुलिस को शर्म आनी चाहिये कि बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय हमारे लोगों को परेशान कर रही है।

डियर साप्ताहिक लॉटरी
कूचबिहार निवासी ने
₹ 1 करोड़ जीते

कूचबिहार, पश्चिम बंगाल के श्री चंदन दास ने 28.02.2023 को सम्पन्न हुए डियर साप्ताहिक लॉटरी के ड्रॉ में प्रथम पुरस्कार के तौर पर रु. 1 करोड़ जीते हैं। उनकी विजेता टिकट का नंबर 81L 62074 है। उन्होंने कोलकाता स्थित नागालैंड स्टेट लॉटरीज के नोडल अधिकारी के पास प्राइज क्लेम फॉर्म के साथ अपनी पुरस्कार-विजेता टिकट जमा कर दी है। "मैंने कभी भी यह अपेक्षा नहीं की थी कि महज कुछ रुपए खर्च कर मैं भी एक करोड़पति बन सकता हूं। डियर लॉटरी ने मुझे एक करोड़पति बनने का आश्चर्यजनक अवसर प्रदान किया है। मैं अपनी खुशियां बांटते हुए हरेक को अपनी किस्मत आजमाने के लिए डियर लॉटरी खरीदने की सलाह देता हूं। यह विशाल पुरस्कार राशि मेरे परिवार को आर्थिक परेशानियों से मुक्त करेगी।" विजेता ने कहा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com